15 June -26 page 1 14-06-26 10:29 PM Page 1

दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली सोमवार 15 जून -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 172 पेज -08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

दावा- ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा, होर्मुज खोलेगा

अमेरिका के समझौता ड्राफ्ट पर सहमत हुआ ईरान!

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के लिए तैयार किए गए ड्राफ्ट में न्यूक्लियर प्रोग्राम, ऑयल बैन, फ्रीज प्रॉपर्टी और होर्मुज से जुड़े मुद्दों पर सहमति बन गई है। यह दावा रॉयटर्स न्यूज एजेंसी ने एक सीनियर ईरानी अधिकारी के हवाले से किया है। रिपोर्ट के मुताबिक ड्राफ्ट में ईरान ने कहा है कि वह न परमाणु हथियार बनाएगा और न ही किसी दूसरे देश से हासिल करेगा। फाइनल समझौता होने तक ईरान अपने मौजूदा परमाणु कार्यक्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं करेगा। वो यूरेनियम एनरिच्ड नहीं करेगा और नए न्यूक्लियर सेंटर्स का विस्तार भी नहीं करेगा।

ईरान सभी कारोबारी जहाजों के लिए होर्मुज तुरंत खोल देगा। इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी अपनी नौसैनिक नाकेबंदी हटाना शुरू करेगा। अमेरिका कुछ समय के लिए ईरान के तेल निर्यात पर लगी पाबंदियों में भी छूट देगा। ड्राफ्ट के मुताबिक, अमेरिका ईरान की 25 अरब डॉलर की जब्त की हुई प्रॉपर्टी जारी करेगा। साथ ही अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर ईरान के रिडेवलपमेंट और विकास की योजना भी तैयार करेगा।

ट्रम्प का दावा- रविवार को शांति समझौता होगाः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि दोनों देशों के बीच रविवार को समझौता होगा और इसके बाद होर्मुज स्ट्रेट सभी जहाजों के लिए खोल दिया जाएगा।

ईरान ने ट्रम्प के दावे पर सवाल उठाएः ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रविवार को समझौते पर हस्ताक्षर नहीं होंगे। बातचीत जारी है, लेकिन अभी कोई अंतिम तारीख तय नहीं हुई है। समझौते के बाद 60 दिन की नई बातचीत का प्लानः रिपोर्ट के मुताबिक पहले एक अंतरिम एमओयू साइन होगा।

एनएच पर अब नहीं लगेगा सुबह-शाम जाम, CISF रैंप रोड खुला

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शहरवासियों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से निर्माण कार्य के चलते बंद पड़ा सीआईएसएफ रैंप रोड रविवार शाम आम जनता के लिए खोल दिया गया। इस रोड के खुलने से नोएडा, सेक्टर-62 और आसपास के क्षेत्रों में आने-जाने वाले हजारों वाहन चालकों को जाम की समस्या से काफी राहत मिलने की उम्मीद है। 14 जून को शाम 7 बजे सीआईएसएफ रैंप रोड का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद मेट्रो प्रोजेक्ट सेक्टर-62 के जनरल मैनेजर वरुण माथुर की सलाह एवं डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन कमिश्नरेट गाजियाबाद के निदेर्शों के क्रम में सड़क को यातायात के लिए खोल दिया गया। यह निर्णय एडीसीपी यातायात के निर्देशन और लगातार किए गए प्रयासों के बाद लिया गया। यातायात अधिकारियों के अनुसार, रोड के खुलने से इस मार्ग पर वाहनों का दबाव कम होगा और लोगों को रोजाना लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। साथ ही यातायात व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित होगी। सड़क खुलने से स्थानीय निवासियों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को भी सीधा लाभ मिलेगा। इस अवसर पर यातायात निरीक्षक संजीव सिंह चौहान सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और यातायात को सुचारु रूप से संचालित कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

जनता के लिए राहत, यातायात पुलिस की बड़ी पहल

करंट क्राइम : सीआईएसएफ रैंप रोड का खुलना केवल एक सड़क का शुरू होना नहीं, बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे रोजाना हजारों लोगों का समय बचेगा और शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

अब डीएनए की जांच से खुलेगा मथुरा के मांट से मिले शव का राज, बॉडी ओंकार की है या किसी और की है लाश

छह जिलों में चला सर्च ऑपरेशन, मथुरा के मांट थानाक्षेत्र से मिला शव, लोनी की महापंचायत समाप्त

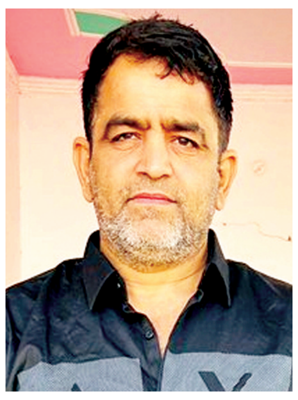

गाजियाबाद, करंट क्राइम : लोनी के चर्चित ओंकार उर्फ ओमन हत्याकांड में आखिरकार वह मोड़ आ गया, जिसका इंतजार परिजन, ग्रामीण और पुलिस पिछले 15 दिनों से कर रहे थे। गाजियाबाद पुलिस की लगातार मेहनत और कई जिलों में चलाए गए व्यापक सर्च अभियान के बाद देर रात मथुरा के मांट थाना क्षेत्र में एक शव बरामद हुआ है। परिजनों ने शव को ओंकार का होने की आशंका जताते हुए उसकी पहचान की है, हालांकि पुलिस अभी वैज्ञानिक और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अंतिम पुष्टि करने में जुटी हुई है। इस सफलता के साथ ही ओंकार के शव की बरामदगी को लेकर चल रहा सबसे बड़ा सवाल भी काफी हद तक खत्म हो गया है। शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों और ग्रामीणों द्वारा घोषित महापंचायत भी समाप्त कर दी गई है।

बागपत से मथुरा तक चला सबसे बड़ा सर्च अभियान

करंट क्राइम : पुलिस अधिकारियों के अनुसार 30 मई को लोनी कोतवाली क्षेत्र के गनौली गांव निवासी ओंकार सिंह उर्फ ओमन की हत्या कर उसका शव बागपत के पूठखास नहर में फेंक दिया गया था। घटना के खुलासे के बाद आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस लगातार शव की तलाश में जुटी हुई थी। शव की बरामदगी के लिए गाजियाबाद, बागपत, मेरठ, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा तक पुलिस टीमों को लगाया गया। नहरों, नदियों, ड्रेनों और जलधाराओं में लगातार सर्च अभियान चलाया गया। कई स्थानों पर गोताखोरों और स्थानीय संसाधनों की भी मदद ली गई। पुलिस की टीमें दिन-रात मौके पर डटी रहीं और पानी के बहाव की दिशा के अनुसार लगातार तलाश करती रहीं। करीब 15 दिन तक चले इस अभियान के बाद देर रात मथुरा के मांट थाना क्षेत्र में एक शव बरामद हुआ, जिसके बाद पुलिस अधिकारियों और परिजनों को मौके पर बुलाया गया।

परिजनों ने की पहचान, पुलिस कर रही अंतिम पुष्टि

करंट क्राइम : डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया है कि मौके पर पहुंचे परिजनों ने बरामद शव को ओंकार का होने की आशंका जताई है। शव की स्थिति और अन्य परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस पूरी सावधानी बरत रही है। अधिकारियों का कहना है कि डीएनए परीक्षण समेत अन्य आवश्यक जांच प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही अंतिम पुष्टि की जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी नहीं की जाएगी और सभी तथ्यों की बारीकी से जांच की जा रही है।

33 आरोपी पहुंच चुके हैं जेल

करंट क्राइम : ओंकार हत्याकांड की जांच के दौरान पुलिस ने अब तक बड़ी कार्रवाई करते हुए 33 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इस मामले में कई स्तरों पर कार्रवाई हुई है। गाजियाबाद पुलिस ने दो आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था, जबकि दो अन्य आरोपियों को दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद पकड़ा था। इसके अलावा साजिश, हत्या और साक्ष्य मिटाने के आरोप में कई अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस पहले ही प्रेस वार्ता कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा कर चुकी है और मामले को जिले के सबसे बड़े आपराधिक मामलों में से एक माना जा रहा है।

महापंचायत समाप्त, ग्रामीणों में राहत

करंट क्राइम : शव बरामद न होने के कारण परिजनों और ग्रामीणों में लगातार नाराजगी बनी हुई थी। इसी को लेकर महापंचायत बुलाने की घोषणा भी की गई थी। लेकिन शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों ने महापंचायत समाप्त करने का निर्णय लिया। गांव में एक ओर जहां ओंकार के शव मिलने से शोक का माहौल है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों का कहना है कि कम से कम अब परिवार को अपने बेटे के अंतिम संस्कार का अवसर मिल सकेगा। करीब दो सप्ताह तक लगातार चले अभियान में गाजियाबाद पुलिस की कई टीमें अलग-अलग जिलों में लगी रहीं। पानी के तेज बहाव और लंबी दूरी तक फैले सर्च एरिया के बावजूद पुलिस ने हार नहीं मानी और आखिरकार शव बरामद कर लिया। अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना अभी जारी है और यदि जांच में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। ओंकार हत्याकांड में शव की बरामदगी को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है, लेकिन अब सभी की नजरें डीएनए रिपोर्ट और आगे की कानूनी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं, जिससे इस मामले के हर पहलू पर अंतिम मुहर लग सके।

जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केन्द्र में चल रहे निर्माण कार्य पर लगी रोक का है ये सीन

जीडीए ने भेजा पत्र और कारण गिना दिये तीन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केन्द्र अम्बेडकर रोड पर निर्माण कार्य चल रहा हैं। इस निर्माण कार्य को लेकर कोई शिकायत बताई जाती है। बताते है कि युवा केन्द्र के अध्यक्ष के रूप में अध्यक्ष राजेन्द्र मित्तल मैदी वालों ने एक पत्र जीडीए में दिया था। जिसमें उन्होंने केन्द्र पर कराये जारहे निर्माण कार्य को शमन कराने हेतू 10 जून को आवेदन दिया था। जीडीए ने 12 जून को राजेन्द्र मित्तम मैदी वालों को पत्र लिखा और बता दिया कि इस शमन में तीन आपत्तियां हैं। तीनों आपत्तियों को लेकर स्पष्ट कर दिया गया है कि 10 जून को जो शमन आवेदन प्राधिकरण कार्यालय में 11 जून को प्राप्त हुआ वे निरस्त कर दिया गया है और आप तत्काल प्रभाव से यहां चल रहे निर्माण को रोकें और इन्हें खुद हटा लें। फिलहाल यह जीडीए का जवाब है और अभी इसके जवाब में राजेन्द्र मित्तल को जवाब दाखिल करना है एक लम्बा समय हो चुका है और जीडीए जिन शंकरदत्त शर्मा का हवाला दे रहा है उनका भी संभवतः निधन हो चुका है। इस दौरान एक अन्य पदाधिकारी का भी निधन हुआ है। कई व्यवस्थायें बदली गयी हैं। लिहाजा ऐसे में कई परिवर्तन हुए हैं। फिलहाल राजेन्द्र मित्तल इसके अध्यक्ष के रूप में मौजूद हैं और अब उन्हें दस्तावेज दिखाने हैं। जीडीए के पत्र का जवाब देना है। माना जा रहा है कि जल्द ही राजेन्द्र मित्तल भी अपने अधिवक्ताओं से सलाह करने के बाद जवाब दाखिल करेंगे।

शपथ पत्र में आपने बताया खुद को लैंडलॉर्ड जो नहीं है विधि सम्वत

करंट क्राइम। जीडीए के पत्र में जो पहला कारण बताया गया है उसमें कहा गया है कि भू स्वामित्व संबंधी पत्रों के अनुसार भूखंड का पटटा विलेख जवाहर लाल नेहरू युवा केन्द्र गाजियाबाद पंजीकृत कार्यालय दीनदयाल उपाध्याय नई दिल्ली द्वारा शंकर दत्त शर्मा कोषाध्यक्ष के रूप में प्रतिपक्ष किया गया है। परन्तु राजेन्द्र मित्तल द्वारा 9 जून के शपथ पत्र में खुद को भू स्वामी बताया गया है जो कि लीज डीड के अनुरूप नहीं है। **खेल के मैदान पर नहीं हो सकती व्यवसायिक गतिविधि :** करंट क्राइम। जीडीए ने राजेन्द्र मित्तल के आवेदन को निरस्त करते हुए दूसरा कारण ये बताया है कि लीजडीड 11-9-2027 के अनुसार इस भूखण्ड पर मात्र 691.31 वर्ग मीटर अच्छादन अनुमन्य और स्थल पर बना हुआ है बाकी क्षेत्रफल का उपयोग खेल के मैदान अन्य सामाजिक कार्यक्रम तथा मनोरंज क्रियाओं हेतु प्रयोग में लाया जायेगा। इस प्रकार लीजडीड की शर्तों के अनुसार इस भूखण्ड पर व्यवसाहिक गतिविधि नही की जा सकती हैं।

प्रस्तुत कीजिये दस्तावेज कि आपको ही शमन हेतू अधिकृत किया गया : करंट क्राइम। जीडीए ने तीसरे कारण में कहा है कि अवेदन कर्ता राजेन्द्र मित्तल द्वारा इस जमीन पर निर्माण कार्य किया जा रहा है, जबकि ये पटटा शंकरदत्त शर्मा के नाम है। उन्हें ही कार्यवाही हेतू अधिकृत किया गया है। जीडीए ने कहा है कि शमन आदि की कार्यवाही के लिए राजेन्द्र मित्तल द्वारा ऐसे अधिकार प्रमाण नहीं प्रस्तुत किये गये हैं जिससे ये साबित हो सके कि राजेन्द्र मित्तल को शमन कार्य हेतू अधिकृत किया गया है।

सपा प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग के फार्म हाउस से दिया गया संगठन को मजबूती देने का संदेश, कार्यकर्ताओं में भरा जोश

राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी बोले- जनता के बीच रहकर ही मजबूत होगा संगठन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने कहा कि पार्टी की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैं और संगठन तभी मजबूत होगा जब कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझेंगे तथा उनके समाधान के लिए संघर्ष करेंगे।

वह रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग के फार्म हाउस पर आयोजित ह्यचाय पर चर्चाह्न कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और शुभचिंतक मौजूद रहे। राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माने जा रहे इस आयोजन ने गाजियाबाद में सपा की सक्रियता को नया संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग एवं उनके सहयोगियों ने राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी का स्वागत करते हुए उन्हें भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर का चित्र, भगवान बुद्ध तथा भगवान हनुमान की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। सम्मान स्वीकार करते हुए राजकुमार भाटी ने कहा कि यह केवल सम्मान नहीं बल्कि उन महान विभूतियों के विचारों को आत्मसात करने का संदेश है, जिन्होंने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया और सामाजिक न्याय के लिए उनका संघर्ष आज भी प्रेरणा देता है। समाजवादी विचारधारा भी समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है, इसलिए कार्यकर्ताओं को इन विचारों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। भगवान बुद्ध के जीवन और शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए राजकुमार भाटी ने कहा कि उन्होंने पूरी मानवता को शांति, करुणा और सह-अस्तित्व का संदेश दिया। वर्तमान समय में समाज को जोड़ने और भाईचारे को मजबूत करने के लिए उनके विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं। वहीं भगवान हनुमान को शक्ति, निष्ठा, समर्पण और सेवा का प्रतीक बताते हुए उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक कार्यकर्ता को भी संगठन और जनता के प्रति उसी भावना के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी पूंजी होता है और इसे बनाए रखने के लिए निरंतर जनसंपर्क तथा जनसेवा आवश्यक है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं को पार्टी से जोड़ने और समाजवादी विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आगामी समय में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कार्यक्रम के दौरान संगठन विस्तार, क्षेत्र की जनसमस्याओं, सामाजिक मुद्दों और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संवाद आधारित ऐसे कार्यक्रम संगठन को मजबूती देने के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

राजनीतिक हलकों में इस कार्यक्रम को विशेष महत्व के साथ देखा जा रहा है। गाजियाबाद शहर विधानसभा क्षेत्र में पिछले कुछ समय से अभिषेक गर्ग की बढ़ती सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। संगठनात्मक कार्यक्रमों, सामाजिक गतिविधियों और कार्यकर्ताओं के बीच लगातार बढ़ती उनकी मौजूदगी ने उन्हें शहर की राजनीति में एक प्रमुख चेहरे के रूप में स्थापित किया है। रविवार को आयोजित ह्यचाय पर चर्चाह्न कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी को भी उनकी संगठनात्मक पकड़ और राजनीतिक सक्रियता के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम में रवि बैसला, मनोज नगर, रमेश बिधूड़ी, सचिन चावला, सोहनलाल सोनी, सतीश पर्चा, मोहम्मद गालिब, हर स्वरूप ठेकेदार, कमलेश कुमारी, शाहनवाज खान, नसीम खान, अमन जाटव, राजेंद्र यादव, मंगू सिंह, एडवोकेट वीरेंद्र सिंह, असलम कुरैशी, डॉ. मुकेश त्यागी, राहुल शर्मा, नदीम खान, महानगर महासचिव राजन कश्यप, प्रकाश कंसल, राजीव गर्ग सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फार्म हाउस पर आयोजित कार्यक्रम का राजनीतिक संदेश

करंट क्राइम। अभिषेक गर्ग के फार्म हाउस पर आयोजित इस कार्यक्रम ने यह संकेत दिया कि समाजवादी पार्टी गाजियाबाद में संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ शहर विधानसभा क्षेत्र में अपनी राजनीतिक सक्रियता बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी और राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रतिनिधि के रूप में राजकुमार भाटी की भागीदारी ने कार्यक्रम को सामान्य संगठनात्मक बैठक से आगे बढ़ाकर राजनीतिक महत्व प्रदान किया।

पिछले 12 साल में स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव
पीएम ने गिनाईं आयुष्मान भारत से लेकर कई उपलब्धियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर, सस्ता और सुलभ बनाने के लिए बहुत काम किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एक स्वस्थ भारत बनाने के लिए सरकार अपनी इन कोशिशों को आगे भी जारी रखेगी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा की। उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व महसूस होता है जब भारत को दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य कार्यक्रम 'आयुष्मान भारत' वाले देश के रूप में जाना जाता है। यह योजना समाज के सबसे कमजोर और गरीब लोगों को बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करती है। मोदी ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में देश ने गुणवत्तापूर्ण इलाज को आम लोगों की पहुंच में लाने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने 'प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना' का जिक्र करते हुए कहा कि इस योजना ने दवाओं, स्टेंट और घुटने के प्रत्यारोपण (नी इंप्लांट) को बहुत सस्ता बना दिया है। इससे लाखों लोगों को बड़ी आर्थिक मदद मिली है।

प्रधानमंत्री ने मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में हुए सुधारों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि अब देश में मेडिकल संस्थानों और सीटों की संख्या काफी बढ़ गई है। इससे युवाओं के लिए डॉक्टर बनना और मेडिकल की पढ़ाई करना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले समय में भारत को पूरी तरह स्वस्थ बनाया जाए।

केंद्र सरकार के नागरिक मंच 'मायजीवोवी इंडिया' ने भी इस पर अपनी राय दी है। मंच ने कहा कि किसी भी देश के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाना सबसे महत्वपूर्ण निवेश है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने इस दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। आज देश का स्वास्थ्य ढांचा पहले से ज्यादा मजबूत और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार है।

मायजीवोवी इंडिया ने आगे बताया कि एक मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के लिए ज्यादा डॉक्टरों और बेहतर ट्रेनिंग की जरूरत होती है। पिछले कुछ वर्षों में उन इलाकों में भी मेडिकल कॉलेज खुले हैं, जहां पहले ऐसी कोई सुविधा नहीं थी। इससे युवाओं को अपने घर के पास ही पढ़ाई के मौके मिल रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि अब देश में कुशल स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या बढ़ रही है। देश में टीबी के खिलाफ लड़ाई को लेकर भी बड़ी जानकारी दी गई। अब टीबी से लड़ाई अंधेरे में नहीं लड़ी जा रही है। बीमारी की जल्द पहचान, ज्यादा स्क्रीनिंग, बेहतर इलाज और जनभागीदारी के जरिए भारत 'टीबी मुक्त भविष्य' की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसके अलावा, कई ऐसी बीमारियां जो पहले बड़ी चुनौती थीं, अब धीरे-धीरे खत्म हो रही हैं। बेहतर निगरानी और स्वास्थ्य सेवाओं की वजह से भारत बीमारियों के बोझ को कम करने और बचाव योग्य बीमारियों को जड़ से मिटाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

चिराग त्यागी हत्याकांड पर त्यागी समाज एकजुट
सीबीआई जांच और परिवार की सुरक्षा की उठी मांग, अधिकारियों के घेराव की भी दी चेतावनी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : मुरादनगर क्षेत्र के गांव बसंतपुर सैंतली निवासी पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या के मामले में रविवार को आयोजित महापंचायत में त्यागी समाज बड़ी संख्या में एकजुट दिखाई दिया। पंचायत में मौजूद लोगों ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए मामले की सीबीआई जांच, पीड़ित परिवार को सुरक्षा, आर्थिक सहायता तथा शस्त्र लाइसेंस देने की मांग की। इस संबंध में एडीएम को मांगपत्र भी सौंपा गया। महापंचायत की अध्यक्षता मास्टर ब्रह्मदत्त त्यागी ने की, जबकि संचालन मोहित त्यागी एवं अन्य समाज के लोगों ने किया। पंचायत में त्यागी समाज के वरिष्ठ नेता मांगेराम त्यागी, अमरीश त्यागी, वरुण त्यागी, आयुष त्यागी, प्रशांत, अमित त्यागी समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि चिराग त्यागी की हत्या के मामले में कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी के बावजूद परिवार और समाज अभी संतुष्ट नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में दोषियों के खिलाफ और अधिक सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

पंचायत में यह भी मांग उठाई गई कि हत्या के मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराई जाए, ताकि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिल सके। महापंचायत के दौरान एडीएम को सौंपे गए मांगपत्र में चिराग त्यागी के नाम पर गांव में खेल मैदान और सड़क का नामकरण, परिवार को आर्थिक सहायता, माता-पिता की आजीविका के लिए दुकान उपलब्ध कराने तथा फरार आरोपियों पर इनाम घोषित करने की भी मांग की गई। पंचायत में मौजूद समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगों पर ठोस आश्वासन और कार्रवाई नहीं हुई तो जिले के वरिष्ठ अधिकारियों का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चिराग त्यागी के परिवार को न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। महापंचायत को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। एडीएम, एसडीएम, एसीपी और स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों से वार्ता की। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए गांव और पंचायत स्थल पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया तथा सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई।

चिराग के परिवार को मिलना चाहिए न्याय : अमरपाल शर्मा

करंट क्राइम : पूर्व विधायक अमरपाल शर्मा ने कहा कि पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। यह केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र और समाज के सम्मान का मामला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस गंभीर प्रकरण में प्रशासन का रवैया बेहद उदासीन और पक्षपातपूर्ण दिखाई दे रहा है, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार लगातार न्याय की मांग कर रहा है, लेकिन अब तक उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप कार्रवाई नहीं हुई है। अमरपाल शर्मा ने कहा कि चिराग त्यागी ने अपनी मेहनत और उपलब्धियों से क्षेत्र का नाम रोशन किया था, इसलिए उनके हत्यारों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जाए, परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए और दोषियों के खिलाफ त्वरित एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो समाज लोकतांत्रिक तरीके से बड़ा जनआंदोलन करने के लिए मजबूर होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ट्रैफिक पुलिस ने खोजकर सीआरपीएफ जवान को लौटाया फोन
ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल बनी गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने अपनी ईमानदारी, सतर्कता और जनसेवा की भावना का परिचय देते हुए सड़क पर मिला एक खोया हुआ मोबाइल फोन उसके वास्तविक स्वामी तक पहुंचाकर मानवता और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश की है। पुलिस की इस सराहनीय पहल से आमजन का विश्वास और मजबूत हुआ है। एबीईएस कॉलेज के सामने नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों के विरुद्ध चालान अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान यातायात पुलिसकर्मियों को सड़क पर एक मोबाइल फोन पड़ा मिला। मोबाइल मिलने के बाद पुलिसकर्मियों ने उसे सुरक्षित अपने कब्जे में लेकर उसके स्वामी की तलाश शुरू की। ट्रैफिक कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए मोबाइल में उपलब्ध जानकारी के आधार पर उसके मालिक का पता लगाया। छानबीन के दौरान पता चला कि मोबाइल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में तैनात एक मुख्य आरक्षी का है। इसके बाद उनसे संपर्क कर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की गई।

सुरक्षित लौटाया मोबाइल, जताया आभार

करंट क्राइम : सत्यापन के उपरांत मोबाइल फोन उसके वास्तविक स्वामी को सुरक्षित सौंप दिया गया। अपना खोया हुआ मोबाइल वापस मिलने पर मुख्य आरक्षी ने गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस की ईमानदारी और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। यह घटना दर्शाती है कि गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस केवल ट्रैफिक नियमों का पालन कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों की सहायता और जनसेवा के प्रति भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पुलिस ने नागरिकों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने तथा अपने कीमती सामान के प्रति सतर्क रहने की अपील की है।

एक्शन मोड में महापौर सुनीता दयाल, वैशाली में कूड़ा फेंकते ट्रैक्टर को रंगे हाथों पकड़ा
मौके पर ही कराया जब्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम। स्वच्छता सर्वेक्षण के बीच शहर को गंदा करने वालों के खिलाफ महापौर सुनीता दयाल का सख्त रुख रविवार को एक बार फिर देखने को मिला। वैशाली सेक्टर-4 पुलिया के पास एलिवेटेड रोड के नीचे अवैध रूप से कूड़ा फेंक रहे एक ट्रैक्टर को महापौर ने स्वयं मौके पर पहुंचकर पकड़ लिया। इस दौरान उन्होंने चालक को जमकर फटकार लगाई और नगर निगम की टीम बुलाकर ट्रैक्टर को जब्त कराने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार महापौर सुनीता दयाल वैशाली क्षेत्र का निरीक्षण कर रही थीं। इसी दौरान उनकी नजर सेक्टर-4 पुलिया के पास एलिवेटेड रोड के नीचे कूड़ा डाल रहे एक ट्रैक्टर पर पड़ी। ट्रैक्टर को देखते ही उन्होंने अपनी गाड़ी का रुख उसकी ओर मोड़ दिया और मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू कर दी।

महापौर ने सबसे पहले ट्रैक्टर की चाबी निकलवाई और चालक से कड़ी पूछताछ की। पूछताछ में चालक ने बताया कि वह इंदिरापुरम क्षेत्र से कूड़ा लेकर आया है और यहां डंप कर रहा था। इस पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब नगर निगम नियमित रूप से कूड़ा उठाने का कार्य कर रहा है तो फिर निजी तौर पर कूड़ा उठाकर सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने का कोई औचित्य नहीं है।

महापौर ने सख्त लहजे में कहा कि कुछ लोग अपने निजी लाभ के लिए शहर की स्वच्छता व्यवस्था को खराब कर रहे हैं। सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और खाली जगहों पर कूड़ा डालकर शहर को गंदा किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शहर को गंदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भारी जुर्माना भी वसूला जाएगा।

मौके पर मौजूद लोगों के सामने महापौर ने नगर निगम अधिकारियों को तत्काल बुलाया। निगम की टीम ने पहुंचकर ट्रैक्टर को जब्त कर लिया। अब संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार जुर्माना लगाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि वर्तमान में गाजियाबाद नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता सर्वेक्षण चल रहा है।

नगर निगम की पूरी टीम शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाने के लिए दिन-रात काम कर रही है। ऐसे में कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से कूड़ा फेंककर शहर की छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है, जो बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर नागरिक का दायित्व है। जो लोग शहर को गंदा करने में लगे हैं, उनके खिलाफ आगे भी इसी तरह की कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

दो बहनों से किया दुष्कर्म, एक नाबालिग

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले से एक बड़ी घटना सामने आई है। पुलिस ने एक 23 साल के युवक को पड़ोसी राज्य गुजरात के भरूच से गिरफ्तार किया है। इस युवक पर एक महिला और उसकी नाबालिग बहन के साथ दुष्कर्म करने और उन्हें ब्लैकमेल करने का गंभीर आरोप है।

यह मामला पालघर के डहाणू इलाके का है। करीब दो हफ्ते पहले जब इस अपराध का पता चला, तब से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने पीड़ित बहनों की शिकायत पर एक जून को मामला दर्ज किया था। इस केस में भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो (ढडउरड) एक्ट की कड़ी धाराएं लगाई गई हैं। पीड़ितों ने पुलिस को बताया था कि आरोपी उनका यौन शोषण कर रहा था और उन्हें ब्लैकमेल भी कर रहा था।

आरोपी को पकड़ने के लिए पालघर पुलिस ने एक बड़ा अभियान चलाया।

पश्चिम बंगाल के बाद महाराष्ट्र में 'खेला' उद्धव ठाकरे ने क्यों बुलाई आपातकालीन बैठक?

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। शिव सेना (यूबीटी) के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को मुंबई स्थित अपने आवास 'मातोश्री' में पार्टी सांसदों के साथ एक बेहद अहम बैठक की। इस बैठक में कुछ सांसद सीधे तौर पर मातोश्री पहुंचे, जबकि कुछ अन्य सांसदों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। बैठक में मुख्य रूप से सांसद अनिल देसाई, संजय राउत और राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे। वहीं, यवतमाल-वाशिम से सांसद संजय देशमुख और हिंगोली के सांसद नागेश पाटिल आष्टेकर ऑनलाइन माध्यम से इस चर्चा में शामिल हुए।

राजनीतिक उथल-पुथल के बीच रणनीति

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब देश और राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। हाल ही में विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) इस वक्त आंतरिक कलह और बिखराव से जूझ रही है। टीएमसी के विधायकों का एक बड़ा धड़ा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के फैसले से असहमत है। इन्हें विधानसभा में अलग 'विपक्ष' के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है। इतना ही नहीं, लोकसभा में भी टीएमसी के संसदीय दल में फूट के आसार हैं, जहां सांसद अलग बैठने की व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। इस बदलते राष्ट्रीय परिदृश्य और महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक कयासों को देखते हुए उद्धव ठाकरे का अपने सांसदों को एकजुट करना बेहद रणनीतिक माना जा रहा है। दूसरी ओर, वरिष्ठ नेता और सांसद अनिल देसाई ने भी इन खबरों को अफवाह बताया। देसाई ने कहा, 'हमारे सांसदों और विधायकों की यह एक नियमित बैठक थी। ऐसी बैठक बुलाने के लिए किसी विशेष कारण या मजबूरी की जरूरत नहीं होती है। हममें से चार लोग यहां मौजूद थे और पांच अन्य साथी अपने व्यक्तिगत कार्यों के चलते बाहर से ऑनलाइन जुड़े। हमारे सभी नौ सांसद पूरी तरह एक साथ हैं। पार्टी में कोई समस्या नहीं है और मीडिया में चल रही सभी अटकलें बेबुनियाद हैं।'

शिव सेना यूबीटी के भीतर यह सतर्कता साल 2022 के राजनीतिक घटनाक्रम को देखकर भी समझी जा सकती है। तब एक बड़े धड़े ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में बगावत कर दी थी और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए से हाथ मिला लिया था। इसके बाद साल 2024 के महाराष्ट्र चुनाव में भी एनडीए ने सत्ता में वापसी की। इसी बीच, कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने भी विधायकों और सांसदों के इस बिखराव पर चिंता जताई है। सिंघवी ने कहा, 'साल 2022 के शिव सेना के फैसले को ध्यान से पढ़ना चाहिए। विधायक दल में केवल दो-तिहाई के बहुमत का कोई ऐसा नियम नहीं है जो 'दल-बदल विरोधी कानून' को लागू होने से रोक सके। ऐसे लोग अयोग्य ठहराए जाने के दायरे में आएंगे। हालांकि, इस देश में कानूनी प्रक्रिया ही अपने आप में एक सजा बन जाती है।'

दरअसल, साल 2022 का यह फैसला एकनाथ शिंदे की उसी बगावत से जुड़ा था, जिसमें उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बहुमत खोने का दावा किया था।

मीडिया की अटकलों पर तीखा पलटवार

मातोश्री की बैठक खत्म होने के बाद शिव सेना-यूबीटी के नेताओं ने मीडिया में चल रही दलबदल की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया। पार्टी के फायरब्रांड नेता और सांसद संजय राउत ने कहा कि हमें डराने की कोशिशें नाकाम रहेंगी। उन्होंने कहा कि आप किस ऑपरेशन टाइगर की बात कर रहे हैं? हम सब शेर हैं। अब हम 'ऑपरेशन भेड़िया' शुरू करने जा रहे हैं। हम डरने वाले नहीं हैं। हमारे सभी सांसद और हमारा संसदीय दल पूरी तरह एकजुट, मजबूत और साथ है। यह आगे भी इसी तरह रहेगा।

टीलामोड़ में चला ऑपरेशन क्लीन, 40 हिस्ट्रीशीटरों के ठिकानों पर दी दस्तक, एसीपी अतुल सिंह और प्रभारी रवि बालियान ने संभाली कमान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में अपराधियों और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ चलाया जा रहा 'ऑपरेशन क्लीन' अब धरातल पर पूरी कड़ाई के साथ उतर चुका है। इसी कड़ी में पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के सख्त निर्देशों पर टीलामोड़ थानाक्षेत्र में एक व्यापक और विशेष सत्यापन अभियान चलाया गया।

एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व और थाना प्रभारी निरीक्षक रवि बालियान की मौजूदगी में पुलिस बल ने क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों और शातिर अपराधियों के ठिकानों पर अचानक दबिश देकर उनकी कुंडली खंगाली। इस विशेष अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने क्षेत्र में रह रहे हिस्ट्रीशीटरों, लुटेरों, स्नैचरों और शरीर व संपत्ति संबंधी गंभीर अपराधों में संलिप्त रहे अपराधियों के निवास स्थानों पर औचक छापेमारी की। अभियान के तहत पुलिस ने अपराधियों के वर्तमान पते, उनकी सक्रियता, आजीविका के साधन (रोजगार) और हालिया गतिविधियों का गहनता से भौतिक सत्यापन किया। संदिग्ध पाए गए स्थानों और व्यक्तियों की मौके पर ही सघन चेकिंग भी की गई।

40 हिस्ट्रीशीटरों का हुआ सत्यापन, दी गई सख्त चेतावनी

करंट क्राइम : पुलिस के इस कड़े रुख के अंतर्गत कुल 40 चिन्हित अपराधियों और हिस्ट्रीशीटरों के रिकॉर्ड का मौके पर मिलान किया गया। सत्यापन के बाद पुलिस अधिकारियों ने सभी को दो टूक लहजे में चेतावनी दी कि वे भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक या संदिग्ध गतिविधियों से पूरी तरह दूर रहें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यदि समाज में भय, दहशत या असुरक्षा का माहौल पैदा करने की कोशिश की गई, तो उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। अभियान के समापन पर पुलिस प्रशासन ने आम जनता के नाम एक कड़ा और आश्वस्त करने वाला संदेश जारी किया। टीलामोड़ थाना पुलिस क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है। अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण और जनता के मन में सुरक्षा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत ऐसे औचक और विशेष चेकिंग अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

भारतीय नाविकों की मौत पर अमेरिका ने नहीं जताया खेद, शशि थरूर भड़के; कहा- यह कैसा असंवेदनशील दोस्त

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ओमान तट पर अमेरिकी नौसेना के हमले में तीन भारतीय चालक दल के सदस्यों की मौत पर अमेरिका के अड़ियल रवैये की कड़ी आलोचना की है। अमेरिका द्वारा इस घटना पर कोई भी खेद या संवेदना व्यक्त न करने पर गहरा सदमा जताते हुए थरूर ने उसे एक असंवेदनशील मित्र करार दिया। क्योंकि रणनीतिक साझेदार होने के बावजूद उसने निर्दोष भारतीयों की मौत पर खेद व्यक्त करने से इनकार कर दिया।

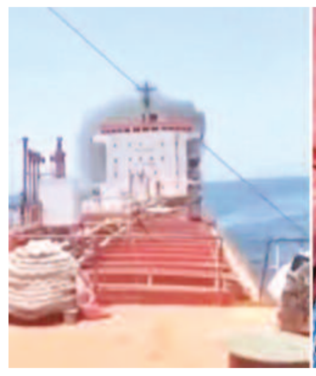

क्या बोले शशि थरूर

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने अमेरिका के इस रुख को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया और सवाल उठाया कि नियमों का पालन न करने वाले वाणिज्यिक जहाजों को रोकने के लिए मिसाइल दागने के बजाय गैर-घातक (अहिंसक) साधनों का उपयोग क्यों नहीं किया गया। वह भी ऐसे समय में जब ईरान के साथ चल रहे युद्ध और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की अमेरिकी नाकाबंदी के कारण जोखिमों से भरा हुआ है।

उन्होंने पूछा, एक मित्र और रणनीतिक साझेदार इतना असंवेदनशील कैसे हो सकता है? नियमों का पालन न करने वाले वाणिज्यिक पोत को अन्य, अहिंसक साधनों का उपयोग करके क्यों नहीं रोका जा सका? क्या नागरिक चालक दल के सदस्यों को मारने के उद्देश्य से मिसाइल दागे बिना जहाज के प्रणोदन या संचालन को निष्क्रिय करना संभव नहीं है? यह रवैया अस्वीकार्य है।

3 भारतीय क्रू मेंबर की हुई थी मौत

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ओमान तट के पास पलाऊ ध्वज वाले तेल टैंकर सेट्टेबेलो पर हुए हमले में 24 भारतीय और चार विदेशी नागरिक सवार थे। इस दौरान ओमान की मदद से 21 भारतीयों को बचा लिया गया, जबकि तीन भारतीय क्रू मेंबर की मौत हो गई। मृतकों की पहचान डेक कैडेट आदित्य शर्मा, इंजन फिटर शिवानंद चौरसिया और मुख्य अभियंता पटनाला सुरेश के रूप में हुई।

'अमेरिका माफी मांगने की जगह धमकी दे रहा', सरकार के रुख पर प्रियंका गांधी ने साधा निशाना, कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली। कांग्रेस की दिग्गज नेता और सांसद प्रियंका गांधी ने अमेरिका पर मोदी सरकार के रुख को लेकर निशाना साधा है। प्रियंका ने कहा कि अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की हत्या के बाद मोदी सरकार का मौन शर्मनाक है। अमेरिका इन हत्याओं पर अफसोस जताने और माफी मांगने की जगह धमकी और आदेश की भाषा इस्तेमाल कर रहा है।

भारत एक संप्रभु और स्वतंत्र देश

कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि अमेरिका को सख्ती से यह बताने की जरूरत है कि भारत एक संप्रभु और स्वतंत्र देश है, जो अपनी संप्रभुता की रक्षा करना जानता है। लेकिन हमारे उङ्केस्त्र१ङ्केशी प्रधानमंत्री न देशवासियों की सुरक्षा कर पा रहे हैं, न ही देश की संप्रभुता की।

बता दें कि इससे पहले भी कांग्रेस के कई नेता इस मुद्दे पर मोदी सरकार की आलोचना कर चुके हैं। पार्टी नेता पवन खेड़ा ने कहा था कि सरकार को अमेरिका से माफी की मांग करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून हैं और किसी संघर्ष के दौरान आप किसी तीसरे देश के कमर्शियल जहाज पर हमला नहीं कर सकते। विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान का जिक्र करते हुए खेड़ा ने कहा कि भारतीयों की जान जाने के बावजूद भारत की प्रतिक्रिया बहुत नरम लगी।

भारत का पक्ष स्पष्ट करने का आग्रह

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि उनमें सहानुभूति की कमी थी। वे बेवजह टकराव वाला रवैया अपना रहे थे। उन्होंने जयशंकर से बातचीत का विवरण सार्वजनिक करने और भारत का पक्ष स्पष्ट करने का आग्रह किया।

नाकेबंदी के उल्लंघन का लगा था आरोप

बता दें कि ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झंडे वाले टैंकर 'टळ सेटेबेलो' पर हमला किया था, जिसमें तीन भारतीय नाविक मारे गए थे। अमेरिकी सेना का आरोप था कि इस जहाज ने ईरानी बंदरगाहों पर लगाए गए नाकेबंदी (ब्लॉकेड) का उल्लंघन किया था। यह टैंकर रणनीतिक रूप से अहम 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के पास से गुजर रहा था, तभी उस पर हमला हुआ।

टीएमसी में घमासान: काकोली गुट का दावा- सांसदों की संख्या 22 पहुंची, बोलीं- कल स्पीकर से करेंगे अलग गुट की मांग

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया है कि लोकसभा में उनके नेतृत्व वाले बागी गुट की संख्या बढ़कर 22 सांसदों तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि दो और सांसद जल्द ही इस गुट में शामिल होने वाले हैं। बागी सांसद सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर अलग संसदीय गुट के रूप में मान्यता की मांग करेंगे।

नई दिल्ली रवाना होने से पहले कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में काकोली घोष दस्तीदार ने कहा, हमारी संख्या अब 22 हो गई है। स्पीकर ने हमें समय दिया है। सोमवार को हम उनसे मिलकर अलग संसदीय गुट के तौर पर मान्यता की मांग करेंगे। हालांकि उन्होंने उन दो अतिरिक्त सांसदों के नामों का खुलासा नहीं किया, लेकिन कहा कि उनके औपचारिक रूप से गुट में शामिल होने के बाद ही नाम सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर असहमति रखने वाले कई सांसद उनके संपर्क में हैं। बागी गुट के सूत्रों के अनुसार, सांसदों की प्रस्तावित बैठक, जो पहले कोलकाता में होनी थी, अब दिल्ली में आयोजित की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि भाजपा नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के भी बैठक में शामिल होने की संभावना थी, लेकिन दीघा-शंकरपुर विकास प्राधिकरण से जुड़े आधिकारिक कार्यक्रमों के कारण उनके दिल्ली पहुंचने की संभावना कम है। शुक्रवार को 19 टीएमसी सांसदों के हस्ताक्षर वाला एक दस्तावेज सामने आया था, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष से काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में अलग संसदीय गुट को मान्यता देने की मांग की गई थी। दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने वालों में शताब्दी रॉय, बापी हलदर, शर्मिला सरकार, प्रसून बनर्जी, जगदीश चंद्र बर्मन बसुनिया, असित मल, अरूप चक्रवर्ती, कालीपदा सोरेन, दीपक अधिकारी (देव), जून मालिया, पार्थ भौमिक, खलीकुर रहमान, अबू ताहिर खान, यूसुफ पठान, मिताली बाग और माला रॉय समेत अन्य सांसद शामिल बताए गए हैं। दस्तावेज पर रचना बनर्जी और सयानी घोष के अलग-अलग हस्ताक्षर भी मौजूद थे। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष के सचिवालय की ओर से पत्र प्राप्त होने या उस पर किसी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वहीं बागी गुट पहले ही संकेत दे चुका है कि वह केंद्र की भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार का समर्थन करना चाहता है।

जिन टीएमसी सांसदों के हस्ताक्षर कथित दस्तावेज पर नहीं थे, उनमें अभिषेक बनर्जी, कल्याण बनर्जी, सौगत रॉय, महुआ मोइत्रा, कीर्ति आजाद, शत्रुघ्न सिन्हा, प्रतिमा मंडल और सजदा अहमद के नाम शामिल हैं।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...

03 ● नई दिल्ली। सोमवार 15 जून -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

पार्षद मदन राय की हालत गम्भीर, उठी मदद की मांग

पार्षदों ने कहा हैल्थ इंश्योरेंस की व्यवस्था और तत्काल बैठक बुलाकर हो इंतजाम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। निगम पार्षद अब अपने हैल्थ इंश्योरेंस को लेकर एकजुट हो गये हैं। निगम पार्षद व्हाटसअप ग्रुप पर ये आवाज बुलंद हुई। दरअसल पार्षद मदन राय इन दिनों गम्भीर बीमारी से ग्रस्त हैं और वो अस्पताल में जीवन मृत्यु से संघर्ष कर रहे हैं। फिलहाल उनका उपचार चल रहा है और रविवार को पार्षदों ने एक बार फिर स्वास्थ बीमा की मांग उठा दी। दरअसल पार्षदों की पीड़ा ये है कि उनके नाम पर पार्षद कल्याण वाला फंड है। इस फंड में ही 15 करोड़ की धनराशि है, लेकिन अगर कोई पार्षद गम्भीर रूप से बीमार हो जाये तो उसकी चिकित्सा में कोई मदद निगम से नहीं मिलती है। यदि किसी पार्षद का निधन हो जाये तो उसके परिजनों को कोई मदद नहीं मिलती है। पार्षद नीरज गोयल आगे और उन्होंने कहा कि सभी पार्षद अपने वार्ड में जनता की सेवा करते हैं लेकिन उन्हें मूलभूत सुविधायें भी प्राप्त नहीं हैं। निगम अधिकारियों और महापौर को कई बार अवगत कराया जा चुका है कि मैडिकल इंश्योरेंस की व्यवस्था की जानी चाहिए ताकि किसी आपात स्थिति में उन्हें सुविधा मिल सके। जबकि पार्षद वैल्फेयर अकाउंट में लगभग 15 करोड़ की राशि उपलब्ध है लेकिन इस निधि से एक रूपया भी खर्च नहीं किया गया। नीरज गोयल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के कल्याण की चिंता करना भी निगम की जिम्मेदारी है। इसके बाद फिर पार्षदों ने अपनी राय रखी।

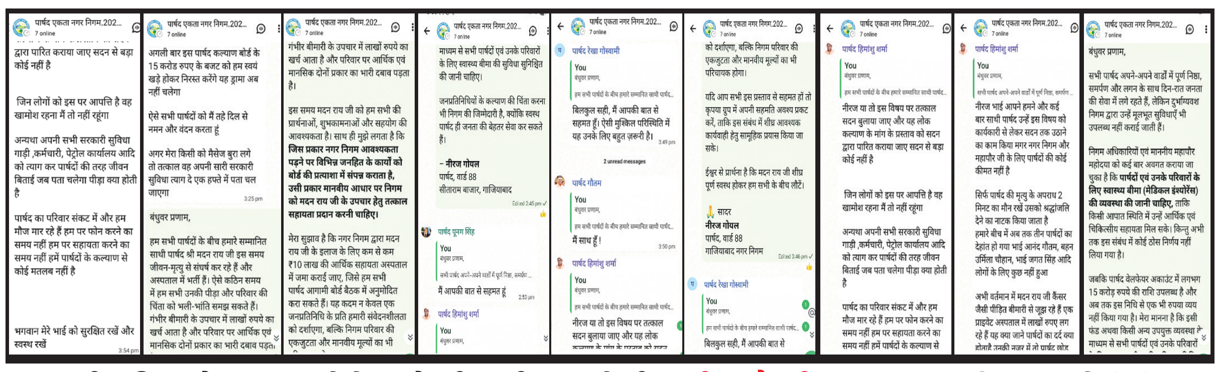

सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने वालों की चुप्पी कब टूटेगी : प्रवीण चौधरी

करंट क्राइम। निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी भी इस चर्चा में आये। उन्होने कहा कि भालेनाथ जो मदद करेंगे, उससे बड़ी तो कोई मदद नहीं हो सकती। मगर जो खामोश बैठे सरकारी सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं, उनकी चुप्पी कब टूटेगी। जब किसी के प्राण चले जायेंगे। यह ध्यान कर लेना अगर हमारे भाई को कुछ हुआ तो तांडव घर के बाहर होगा और बर्दाश्त नहीं होगा। अभी भी समय है पीड़ित के आंसू पूंछ लो हमारी यही गुजारिश है।

सदन की बैठक बुलाई जाये और तत्काल मदद हो

करंट क्राइम। पार्षद मदन राय को लेकर सभी पार्षद एक हुए। 15 करोड़ के प्रावधान का जिक्र हुआ और कहा गया कि एक्ट में जो प्रावधान है उसी के कारण 15 करोड़ रूपये हैं। सदन की बैठक बुलाई जा सकती है। अगर तत्काल बैठक नहीं बुलाई जा सकती तो बोर्ड की प्रत्याशा में पूरा नगर निगम चल रहा है पूरी कार्यकारिणी चल रही है। मेरा महापौर से निवेदन है कि तत्काल सदन की बैठक बुला लें या बोर्ड की प्रत्याशा में मदन राय और उनके परिवार पर जो विपत्ती आयी है उसका समाधान हो।

हमें मदन राय कीमदद के लिए होना है एकजुट हिमांशु शर्मा

करंट क्राइम। पार्षद हिमांशु शर्मा ने कहा कि हम पहले ही अपने तीन साथियों को खो चुके हैं। पार्षद मदन राय जी की स्थिति अच्छी नहीं है हमें जो भी संभव है उस पर काम करना है। आज मदन राय हैं कल कोई और भी हो सकता है। हिमांशु शर्मा के शब्द कठोर भी हुए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अपत्ति हैं वो सरकारी सुविधायें कार, दफ्तर और पेट्रोल त्यागकर पार्षदों की तरफ जीवन बितायें तो पता चलेगा कि पीड़ा क्या होती है।

नामित पार्षदों से लेकर महिला पार्षद भी आयीं आगे

करंट क्राइम। पार्षदों की मद्द की बात चली तो यहां महिला पार्षद भी आगे आयी। वार्ड 15 की पार्षद पूनम सिंह ने नीरज गोयल की बात का समर्थन किया और कहा कि जो फंड पार्षदों के वैलफेयर के लिए है उसका उपयोग होना चाहिए। पार्षद रेखा गोस्वामी ने कहा कि मैं सहमत हूं और ऐसी मुश्किल स्थिति में मदद बहुत जरूरी है। नामित पार्षद अंकुश अरोड़ा ने भी लिखा कि चुप्पी तोड़ो और न्याय के साथ खड़े रहो। अगर आज कोई खड़ा नहीं होगा तो आपके साथ कोई कैसे खड़ा होगा।

जब जिले के प्रभारी मंत्री ने किया महानगर अध्यक्ष का इंतजार

संगठन और सरकार की इस ट्यूनिंग को लेकर हुआ गरम चर्चाओं का बाजार

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हर राजनीतिक दल की एक परिपाटी होती है और हर राजनीतिक दल में संगठन का स्थान सर्वोपरि होता है। भाजपा के यहां संगठन संस्कृति अधिक मजबूत मानी जाती है। यहां संगठन को सर्वोपरि माना जाता है और कार्यकर्ता को देवतुल्य कहा जाता है। भाजपा की ये राजनीतिक संस्कृति है और यहां पर इस परिपाटी का, संस्कृति का पालन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री और गाजियाबाद जिले के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह भी नजर आये। धर्मपाल सिंह सरकार में मंत्री हैं और पुराने कार्यकर्ता हैं। संगठन देखा है, सरकार देखी है और भाजपा का परिवार देखा है। जब वो गाजियाबाद आये तो यहां उन्होंने अपने ही अंदाज में एक संदेश दिया कि संगठन सर्वोपरि होता है। दरअसल प्रभारी मंत्री को मीडिया से रूबरू होना था। केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को बताना था। मीडिया के समक्ष ये बात बताने के लिए मंच सज चुका था। प्रभारी मंत्री आ चुके थे, विधायक आ चुके थे। पार्टी के जिलाध्यक्ष आ चुके थे। सबकुछ तैयार था और केवल भाजपा के महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल का इंतजार था।

यहां प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने एक शिष्टाचार दिखाया और ये भी बता दिया कि जिले के प्रभारी मंत्री और संगठन के बीच अगर ट्यूनिंग ठीक होती है तो फिर कार्यकर्ताओं की स्थिति वीक नहीं होती है। कार्यकर्ताओं की बात संगठन से होती हुई प्रभारी मंत्री तक आती है। प्रभारी मंत्री से ये बात सरकार तक जाती है। अब जब सबकुछ तैयार था लेकिन प्रभारी मंत्री ने फिर भी महानगर अध्यक्ष का इंतजार किया। वो चाहते तो महानगर अध्यक्ष के बिना भी प्रैसवार्ता शुरू कर सकते हैं। लेकिन उन्होंने महानगर अध्यक्ष का इंतजार किया और उससे भी बड़ी बात ये कि मंच पर मौजूद विधायक से भी कहा कि महानगर अध्यक्ष का इंतजार करना ठीक रहेगा, यदि आप कहें तो थोड़ा रूक जाते हैं। विधायक ने भी तत्काल कहा कि इंतजार कर लेते हैं। हालाकि इंतजार की ये घड़ियां ज्यादा लम्बी नहीं रहीं और थोड़ी देर में ही महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल आ गये। मयंक गोयल मूल कार्यकर्ता हैं और भाजपा की संस्कृति उन्हें विरासत में मिली है। उन्होंने भी आते ही सबसे पहले देरी के लिए खेद व्यक्त किया और कहा कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री भी आये हुए हें। मैं उनके कार्यक्रम में था इसलिए थोड़ी देर लगी। सवाल यहां देर का नहीं है सवाल उस शिष्टाचार का है जो संगठन और सरकार के बीच निभाया जा रहा है। ये एक अच्छा सुखद संदेश है। इस तरह से जब संबंधों में मधुरता रहती है तो इसका लाभ कार्यकर्ता को मिलता है।

ट्रॉनिका सिटी में भारी पुलिस बल के साथ हटाई गई अवैध मजार

450 जवानों की निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से चला अभियान, यूपीसीडा की जमीन पर हुई कार्रवाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम : ट्रोनिका सिटी थानाक्षेत्र में ग्रीन बेल्ट स्थित यूपीसीडा की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित मजार को रविवार को प्रशासन ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हटवा दिया। संवेदनशील मानी जा रही इस कार्रवाई के लिए प्रशासन ने पहले से व्यापक तैयारियां की थीं, जिसके चलते पूरा अभियान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। जानकारी के अनुसार, यूपीसीडा द्वारा भूमि के सत्यापन के दौरान पाया गया था कि ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में बनी मजार विभाग की स्वामित्व वाली भूमि पर अवैध रूप से स्थापित है। इसके बाद संबंधित पक्ष को नियमानुसार नोटिस जारी कर निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित अवधि बीत जाने के बावजूद जब अवैध निर्माण नहीं हटाया गया, तब यूपीसीडा ने प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का निर्णय लिया। रविवार को सुबह से ही पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में ले लिया गया। मौके पर पुलिस, प्रशासन और यूपीसीडा के अधिकारियों की मौजूदगी में अभियान शुरू किया गया। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए थे। डीसीपी ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी, एसीपी लोनी सहित कई थानों के प्रभारी स्वयं मौके पर मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई की निगरानी करते रहे।

पुलिस-पीएसी और आरएएफ तक रही तैनात

करंट क्राइम : मौके की स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए पीएसी, आरएएफ तथा स्थानीय पुलिस समेत करीब 400 से 450 जवानों की तैनाती की गई थी। क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल मौजूद रहा और हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी गई। प्रशासन की सतर्कता और पुलिस बल की मुस्तैदी के चलते कार्रवाई के दौरान कहीं से भी किसी प्रकार के विरोध, तनाव अथवा कानून-व्यवस्था की समस्या सामने नहीं आई। अधिकारियों ने बताया कि सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसे मामलों में नियमानुसार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

सरकारी भूमि पर कब्जों के खिलाफ प्रशासन का सख्त संदेश

करंट क्राइम : ट्रोनिका सिटी में हुई यह कार्रवाई सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त कराने की दिशा में प्रशासन के सख्त रुख का बड़ा उदाहरण मानी जा रही है। भारी पुलिस बल की तैनाती, अधिकारियों की मौजूदगी और शांतिपूर्ण ढंग से अभियान के सफल संचालन ने यह संदेश भी दिया है कि कानून के दायरे में रहते हुए सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

क्यों साध ली थी क्रांतिकारी पार्षद शीतल ने सदन की बैठक में खामोशी

अगर बुलंद होती ये आवाज तो सीन में दिखाई देता तगड़े वाला घमासान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम की बैठक हो और हंगामा ना हो तो फिर बैठक ही किस बात की। बैठक में हंगामा आम है और फिर इसकी वजह ये है कि पार्षद तैयार कर रहे हैं। वो बाकायदा तैयारी से आते हैं कि हम अपने क्षेत्र के किन मुददों को रखेंगे। लेकिन सदन का एक चलन ये भी है कि सदन चाहे लोकसभा को हो या विधानसभा का हो, सदन विधानपरिषद का हो या नगरनिगम का हो। सदन में सभी चेहरे मुखर नहीं होते। सदन के कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो लाईमलाईट के चेहरे होते हैं। ये चेहरे बोल्ड तरीके से अपनी बात को रखते हैं। निगम के सदन में भी जब बोल्ड चेहरों की बात आती है तो यहां क्रांतिकारी पार्षदों की गिनती में शीतल चौधरी का भी नाम आता है। शीतल चौधरी भले ही पहली बार की पार्षद हैं लेकिन अपनी पहली ही पारी में उन्होंने सदन को प्रभावित किया है। एक ऐसी पार्षद हैं जो वार्ड से आगे के मुद्दों पर भी मुखर होती हैं। चाहे वो पैठ बाजार का मुददा हो, चाहे ईरिक्षा चालकों का मुददा हो। लेकिन जब मुददों पर मुखर होने वाली आवाज सदन में खामोश हो और पीछे वाली सीट पर विराजमान हो तो फिर ये चर्चा सदन से लेकर निगम के गलियारों तक फैली है कि आखिर इस खामोशी का राज क्या है। सूत्र बताते हैं कि ये खामोशी ऐसे ही नहीं आयी थी। इस खामोशी के पीछे किसी बड़े संघर्ष कोटालने की रणनीति थी। सूत्र बताते हैं कि अगर ये आवाज बुलंद हो जाती तो सदन में बहुत संभावना ये थी कि हाथापाई भी हो जाती। अब कौन रडार पर था और किस वजह से इस जंग को टाला गया ये अगली बैठक में आ ही जायेगा। बताते हैं कि यहां इस चुप्पी से जुड़े कुछ विकास वाले मुददे भी हैं। एक मुददा ये भी है कि जब तुम हमारे हक में नहीं बोले तो हम भी तुम्हारी लड़ाई में नहीं कूदेंगे। हालाकि सूत्र बताते हैं कि सदन की खामोशी को फाईनल खामोशी ना समझा जाये। क्योंकि जंग तो होगी और आर पार की होगी।

वेटरन क्रिकेट के बाद अब युवा प्रतिभाओं को तराशेंगे प्रवीण त्यागी

जेसीसी सीजन-8 अंडर-15 लीग में वीवीआईपी ग्रुप ने खरीदी टीम, बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करने की पहल

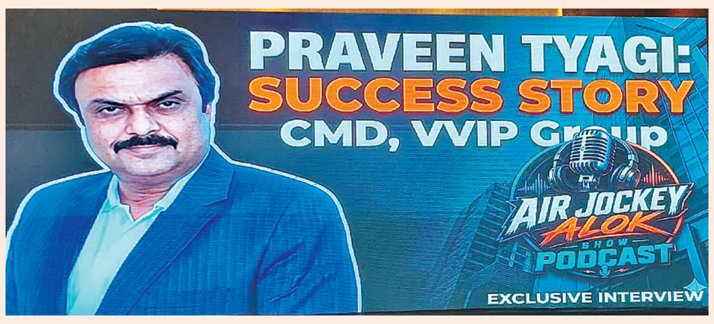

गाजियाबाद, करंट क्राइम। देशभर में वेटरन क्रिकेट को नई पहचान दिलाने वाले बीवीसीआई (भारत वेटरन क्रिकेट इंडिया) के अध्यक्ष और वीवीआईपी ग्रुप के सीएमडी प्रवीण त्यागी अब युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। लंबे समय से वेटरन क्रिकेट के आयोजन और खिलाड़ियों को अवसर उपलब्ध कराने के लिए चर्चित प्रवीण त्यागी ने अब अपना फोकस जूनियर क्रिकेट पर भी केंद्रित किया है। इसी कड़ी में वीवीआईपी ग्रुप ने जेसीसी सीजन-8 अंडर-15 क्रिकेट लीग में अपनी टीम खरीदकर युवा खिलाड़ियों के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

20 जून से ओपी ग्राउंड, सेक्टर-128 में शुरू होने जा रही जेसीसी सीजन-8 अंडर-15 लीग में वीवीआईपी ग्रुप की टीम 'वीवीआईपी लिटिल चैंप्स' के नाम से हिस्सा लेगी। लीग के लिए खिलाड़ियों का ऑक्शन आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन किया गया। इसके साथ ही टीम की जर्सी का भी औपचारिक लॉन्च किया गया। इस अवसर पर प्रवीण त्यागी ने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम भी है। जिस तरह बीवीसीआई के माध्यम से देशभर के वेटरन खिलाड़ियों को एक मंच उपलब्ध कराया गया है, उसी तरह अब बच्चों को भी बेहतर अवसर और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज के युवा खिलाड़ी ही देश का भविष्य हैं और उन्हें सही उम्र में सही प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धा और प्रोत्साहन मिले तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

प्रवीण त्यागी ने कहा कि वीवीआईपी लिटिल चैंप्स टीम का उद्देश्य केवल टूर्नामेंट में भाग लेना नहीं बल्कि प्रतिभाशाली बच्चों को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपने खेल कौशल को निखार सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल आने वाले समय में कई युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा बनेगी। क्रिकेट जगत से जुड़े लोगों का मानना है कि वेटरन क्रिकेट को संगठित स्वरूप देने के बाद प्रवीण त्यागी का जूनियर क्रिकेट की ओर बढ़ना खेल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल स्थानीय खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा बल्कि क्षेत्र में क्रिकेट की नई प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ने का मंच प्राप्त होगा।

टीम के कोच कमल निगम ने कहा कि चयनित खिलाड़ियों में काफी प्रतिभा है और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार किया जाएगा। टीम प्रबंधन से जुड़े दीपक त्यागी, तरुण सिंह और ऐश्वर्या सिंह ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अनुशासन और मेहनत के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों और उनके अभिभावकों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। टीम जर्सी लॉन्च के साथ ही वीवीआईपी लिटिल चैंप्स ने आगामी लीग के लिए अपनी तैयारियों का संदेश दे दिया है। खेल प्रेमियों का मानना है कि प्रवीण त्यागी की यह पहल युवा क्रिकेटरों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी और क्षेत्रीय क्रिकेट को नई दिशा प्रदान करेगी।

वेटरन क्रिकेट से युवा क्रिकेट तक

करंट क्राइम। बीवीसीआई के अध्यक्ष प्रवीण त्यागी पिछले कई वर्षों से देशभर में वेटरन क्रिकेट प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए जाने जाते हैं। अब उनकी नजर भविष्य की क्रिकेट प्रतिभाओं पर है। वीवीआईपी लिटिल चैंप्स टीम के माध्यम से उनका प्रयास है कि कम उम्र के खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी माहौल और बेहतर अवसर मिलें, ताकि वे आगे चलकर बड़े स्तर पर अपनी पहचान बना सकें।

मुख्य बातें

- बीवीसीआई अध्यक्ष प्रवीण त्यागी ने जूनियर क्रिकेट को बढ़ावा देने की पहल की।
- वीवीआईपी ग्रुप ने जेसीसी सीजन-8 अंडर-15 लीग में खरीदी टीम।
- 20 जून से ओपी ग्राउंड, सेक्टर-128 में शुरू होगी लीग।
- 'वीवीआईपी लिटिल चैंप्स' नाम से मैदान में उतरेगी टीम।
- खिलाड़ियों का ऑक्शन और टीम जर्सी लॉन्च कार्यक्रम आयोजित।

संपादकीय

'फीफा' के आत्मघाती गोल

फीफा द्वारा आयोजित 23वें फुटबॉल विश्व कप की शुरूआत हो गई है। इस बार 39 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट की सबसे गौर करने वाली बात यही है कि यह अपने सर्जक जूल्स रिमेट द्वारा प्रतिपादित मूल मूल्यों से कितना भटक गया है। पहला विश्व कप 1930 में उरुग्वे में खेला गया था। उस समय फीफा अध्यक्ष ने विश्व कप को श्रमिक वर्ग के खिलाड़ियों के लिए एक पेशेवर मंच बनाकर इसे सार्वभौमिक एकजुटता और शांति को बढ़ावा देने के साधन के रूप में देखा था। हालांकि 18 कैरट सोने की ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे 1,248 फुटबॉलर अभी भी साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं, लेकिन यह कहना उचित होगा कि खेल संस्था के नियंत्रण से बाहर के कारणों से वैश्विक शांति हासिल करना असंभव हो गया है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि फीफा द्वारा इस टूर्नामेंट से अधिकतम राजस्व प्राप्त करने के लिए आक्रामक रूप से किए जा रहे प्रयासों से सार्वभौमिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है, जो अब उसका सबसे बड़ा आय का स्रोत बन गया है।

वर्ष 2010 से यही चलन रहा है। उस साल फीफा ने मेजबान देश के साथ प्रसारण अधिकार, प्रायोजन, टिकट और व्यापारिक वस्तुओं से होने वाली आय साझा करना बंद कर दिया था। इस कदम से खेल संस्था उन देशों से मेजबानी के प्रस्ताव स्वीकार करने लगी जो स्टेडियम और संबंधित बुनियादी ढांचे के निर्माण का भारी खर्च उठा सकते थे, न कि उन देशों से जिनकी फुटबॉल में मजबूत साख थी।

व्लादीमिर पुतिन द्वारा क्राइमिया पर आक्रमण के चार साल बाद 2018 के टूर्नामेंट का आयोजन रूस को दिया जाना फीफा की अनैतिकता का पहला संकेत था। वर्ष 2022 में कतर का चयन व्यापक रूप से वोट खरीदने और धांधली का परिणाम था। वह एक ऐसा देश है जिसकी फुटबॉल में कोई साख नहीं है और लोकतांत्रिक साख तो उससे भी कम है। हालांकि नवीनतम त्रिपक्षीय आयोजन तीन लोकतांत्रिक देशों–अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको–में आयोजित किया जा रहा है लेकिन यह रिमेट की उम्मीदों से बिल्कुल परे है। सबसे पहले, जिस देश में सबसे अधिक मैच (कुल 104 में से 78) आयोजित होंगे, वह ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़े हुए है, ग्रीनहाउस गैसों का दूसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, और एक हानिकारक आप्रवासन–विरोधी नीति का पालन करता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को एक विशेष शांति पुरस्कार से सम्मानित करने के बाद, फीफा ने मेजबान देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए अमेरिका में होने वाले विश्व कप मैचों के लिए ईरानी प्रशंसकों के टिकट आवंटन रद्द कर दिए हैं। ईरानी टीम को अपने प्रतिनिधिमंडल के कई सदस्यों, जिनमें फुटबॉल महासंघ के प्रमुख भी शामिल थे, को वीजा नहीं मिलने के बाद अमेरिका से मेक्सिको में अपना ठिकाना बदलना पड़ा। एक सोमाली रेफरी को 11 घंटे की पूछताछ के बाद मियामी से वापस भेज दिया गया।

बाजार में लौटी मजबूती: आठ दिग्गज कंपनियों की दौलत में 1.90 लाख करोड़ रुपये का उछाल

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में पिछले सप्ताह आई तेजी का सीधा फायदा देश की सबसे बड़ी कंपनियों को मिला। शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और दूरसंचार क्षेत्र की कंपनियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खास तौर पर आईसीआईसीआई बैंक सबसे बड़ा लाभ कमाने वाली कंपनी बनकर उभरा। बाजार में सकारात्मक माहौल, वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की उम्मीद और भारतीय रिजर्व बैंक के कुछ कदमों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया, जिसका असर शेयरों की कीमतों पर भी दिखाई दिया।

बाजार में तेजी क्यों आई और निवेशकों का भरोसा कैसे बढ़ा?: पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 1,284.61 अंक यानी 1.73 प्रतिशत मजबूत हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी में 256.2 अंकों यानी एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक माहौल में सुधार और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उठाए गए कदमों से निवेशकों का विश्वास बढ़ा। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीद से भू-राजनीतिक तनाव कम होने और ऊर्जा बाजार में स्थिरता आने की संभावना बनी, जिससे निवेशकों का रुझान शेयर बाजार की ओर बढ़ा। इसी का असर बड़ी कंपनियों के बाजार मूल्य पर भी देखने को मिला।

किन कंपनियों को सबसे ज्यादा फायदा हुआ?: सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक को हुआ, जिसके बाजार पूंजीकरण में 56,223 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और इसका कुल मूल्य 9.61 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 38,571 करोड़ रुपये बढ़कर 11.89 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। भारतीय स्टेट बैंक को भी 36,137 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार मूल्य में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई।

स्पेसएक्स और अमेरिकी बाजार में पैसे लगाने के भारतीय नियम

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने अपने ऐतिहासिक आईपीओ से 75 अरब डॉलर जुटाए हैं और कंपनी का वैल्यूएशन 2.1 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है। इस शानदार शुरूआत के साथ ही मस्क 1.1 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के पहले 'ट्रिलियनेयर' बन चुके हैं। इस तूफानी संपत्ति सृजन को देखकर हर निवेशक मस्क की कंपनियों (टेस्ला, स्पेसएक्स, ७अक, स्टारलिंक) का हिस्सा बनना चाहता है। अच्छी खबर यह है कि वैश्वीकरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के दौर में कोई भी भारतीय नागरिक कानूनी रूप से अमेरिकी शेयर बाजार में निवेश कर सकता है।

क्या एक आम भारतीय निवेशक स्पेसएक्स और टेस्ला के शेयर सीधे खरीद सकता है?: हां, बिल्कुल। भारतीय निवेशक इंडमनी, वेस्टेड, या एचडीएफस सिक्योरिटीज जैसे डिजिटल निवेश प्लेटफार्मों या अमेरिकी ब्रोकरेज

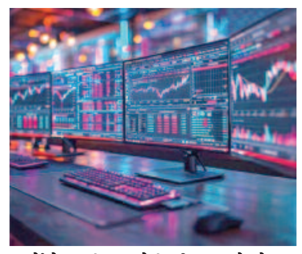

फर्मों के जरिए अमेरिकी एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध शेयरों की सीधे खरीद कर सकते हैं। अमेरिकी बाजार की सबसे बड़ी खासियत 'आंशिक शेयर' की सुविधा है। इसका मतलब है कि अगर स्पेसएक्स का शेयर 160 डॉलर (करीब 15,232 रुपये) का है, तो आपको पूरा शेयर खरीदने की जरूरत नहीं है; आप मात्र 10 डॉलर (लगभग 950 रुपये) लगाकर भी उसका एक छोटा अनुपातिक हिस्सा खरीद सकते हैं। इसके अलावा, आपके निवेश को अमेरिका के एसआईपीसी की ओर से 5,00,000 डॉलर तक का बीमा कवर भी मिलता है।

खदानों से 1600 करोड़ रुपए का कोयला गायब!

नई दिल्ली। तेलंगाना की प्रमुख कोयला खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में एक बड़ा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कंपनी की खदानों से 1600 करोड़ रुपये का 40 लाख टन कोयला रहस्यमयी तरीके से गायब हो गया है। इस घटना ने पहले से ही भारी वित्तीय दबाव झेल रही इस सरकारी कंपनी के कामकाज पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिंगरेनी खदानों से 1600 करोड़ का कोयला कैसे गायब हुआ?: हाल ही में कई समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि सिंगरेनी कोलियरीज (एससीसीएल) से करीब 40 लाख टन कोयला गायब हो गया है। इस लापता कोयले की बाजार कीमत लगभग 1,600 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसके कारण कंपनी को एक बड़ा वित्तीय नुकसान हुआ है।

इस गंभीर मामले पर केंद्रीय कोयला मंत्री ने क्या कदम उठाया है?: मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी ने 10 जून, 2026 को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को एक आधिकारिक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने राज्य सरकार से मामले की तत्काल जांच करने का आग्रह किया है, ताकि गायब हुए कोयले की सच्चाई और कथित अनियमितताओं का पता लगाया जा सके।

क्या सिंगरेनी कोलियरीज पहले से ही भारी वित्तीय संकट में है?: हां, यह कोयला कंपनी पहले से ही गहरे वित्तीय संकट से गुजर रही है। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, तेलंगाना सरकार पर सिंगरेनी कोलियरीज का 51,500 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया है।

इस भारी-भरकम बकाए के कारण कंपनी की वित्तीय स्थिति पहले ही तनावपूर्ण है, और अब 1600 करोड़ के कोयले के गायब होने की इन रिपोर्ट्स ने कंपनी की आर्थिक स्थिरता को और खतरे में डाल दिया है।

टाटा के आईफोन प्लांट पर लटकी तालेबंदी की तलवार!

नई दिल्ली। एपल के लिए आईफोन बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बड़ी मुश्किल में फंस गई है। तमिलनाडु के होसुर स्थित कंपनी के प्लांट पर बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। राज्य के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आरोप लगाया है कि फैक्टरी से निकलने वाले गंदे पानी ने आसपास के खेतों और कुओं को प्रदूषित कर दिया है। अगर टाटा ने संतोषजनक जवाब नहीं दिया, तो इस प्लांट की बिजली काटकर इसे बंद किया जा सकता है। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि पूरा विवाद क्या है और इसका एपल की सप्लाई चेन पर क्या असर पड़ सकता है।

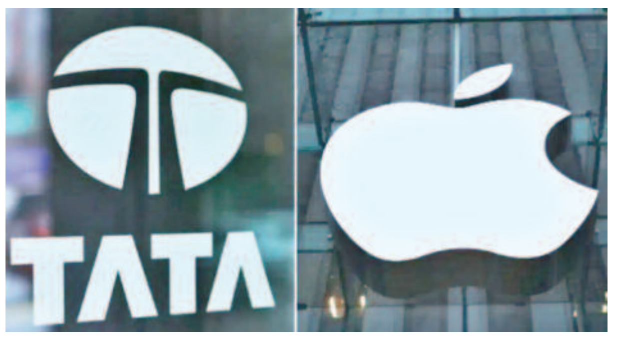

मामला क्या है और किस प्लांट पर लटकी है तालेबंदी की तलवार?: टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स दक्षिण एशिया में ताइवान की फॉक्सकॉन के बाद एपल की दूसरी सबसे बड़ी सप्लायर है। तमिलनाडु के होसुर स्थित इसी प्लांट में आईफोन के बैक पैनल और अन्य अहम पुर्जे बनाए जाते हैं। आसपास के किसानों ने शिकायत की थी कि फैक्टरी का दूषित पानी उनके खेतों और खुले कुओं में मिल रहा है, जिससे उनकी कृषि भूमि को भारी नुकसान हो रहा है।

प्रदूषण बोर्ड की जांच में पानी को लेकर क्या चौंकाने वाला खुलासा हुआ?: किसानों की महीनों लंबी शिकायतों के बाद, दिसंबर 2025 से मई 2026 के बीच प्लांट के पांच बार सरकारी निरीक्षण किए गए। 25 मई के नोटिस के अनुसार, जांच में पाया गया कि टाटा ने अपने परिसर के भीतर बने 'रेनवाटर हार्वेस्टिंग पॉन्ड' (वर्षा जल संचयन तालाब) में गंदा पानी छोड़ दिया था। यह तालाब ओवरफ्लो हो गया और गंदा पानी आसपास की कृषि भूमि के खुले कुओं के भूजल में जाकर मिल गया।

नियामक ने कंपनी को क्या सख्त अल्टीमेटम दिया है?: तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अपने 25 मई के नोटिस में टाटा से स्पष्टीकरण मांगा है कि नियमों के इस उल्लंघन के आरोप में क्यों न उसकी फैक्टरी की बिजली काट दी जाए और उसे बंद कर दिया जाए,। बोर्ड ने अपने नोटिस में यह भी स्पष्ट किया कि 23 दिसंबर, 2025 को जारी पिछले पत्र के निदेशों के बावजूद टाटा ने कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठाए थे।

इन गंभीर आरोपों पर टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने क्या सफाई दी है?: इस विवाद पर टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने अपना बचाव करते हुए कहा है कि उसने एक मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से स्वतंत्र जांच कराई है। कंपनी का दावा है कि इस जांच में उसे ₹सभी नियामक मानदंडों का पूरी तरह से पालन करने वाला₹ पाया गया है। टाटा ने कहा कि वह पर्यावरण और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है और उसने प्रदूषण अधिकारियों को अपना जवाब सौंप दिया है।

रोचक तथ्यों का करंट

- दुनिया के 85 प्रतिशत पौधे समुद्र के अंदर पाये जाते हैं।
- दुनिया के अधिकतर लोग बिस्तर में जाने के 7 मिनिट के भीतर ही सो जाते हैं।
- आप जिससे प्यार करते हैं उसके बगल में सोने से न केवन अवसाद में कमी आती है बल्कि आपकी उम्र भी बढ़ती है, आपको नींद अच्छी और गहरी आती है।
- क्या आप जानते है कि, भारत ने 100000 वर्षो में एक बार भी किसी के ऊपर पहले आक्रमण नहीं किया है।
- नाक पकड़ें कहीं गर्म तो नहीं हैं, क्या कहा गर्म है, यानी आप झूठ बोलते हैं, झूठ बोलने में पीएचडी किए हो क्या।
- हीरे की खुदाई सबसे पहले हमारे भारत देश में ही हुआ था।
- आपको यह बात जानकर हैरानी होगी कि औसतन कोई भी इंसान 1 साल में 50 लाख बार सांस लेता है।
- नींबू में स्ट्राबेरी के मुकाबले अधिक शक्कर होती है।
- इंसान एक दिन में आधे घंटे सोने के बराबर पलके झपकाता है।
- इटली के अधिकतर लोग नए साल पर लाल रंग का अंडरवियर पहनते हैं, वो इसे लकी मानते हैं।

राशिफल

मेष: उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। मन में नकारात्मकता का प्रभाव हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आलस्य की अधिकता रहेगी।

वृष: परिश्रम की अधिकता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। क्षणे रुष्टा–क्षणे तुष्टा की मन:स्थिति रहेगी। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा।

मिथुन: नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संयत रहें। वाणी में सौम्यता रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा।

कर्क: आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति से परेशान रहेंगे। आशा–निराशा के भाव मन में रहेंगे। किसी मित्र के सहयोग आय के साधन बन सकते हैं।

सिंह: शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। मानसिक शान्ति रहेगी। माता के सहयोग से धन प्राप्ति के योग हैं। नौकरी के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं।

कन्या: मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे। वाणी में कठोरता का प्रभाव रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। माता का सहयोग मिलेगा।

तुला: कारोबार में मित्रों का सहयोग मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी। माता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक: भाइयों के सहयोग से लाभ के मौके मिलेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में इच्छाविरुद्ध कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

धनु: परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। तनाव से बचें। पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सुधार आयेगा।

मकर: कार्यक्षेत्र में अनुकूल स्थिति रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। मन में शान्ति और प्रसन्नता रहेगी। कार्यक्षेत्र की स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ: स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। सुखद समाचार मिलेंगे। मन अशान्त रहेगा। मन में नकारात्कता विचारों से बचें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन: खर्च अधिक रहेंगे। रहन–सहन में असहज हो सकते हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। क्रोध अतिरेक से बचें। किसी मित्र का आगमन हो सकता है।

चुटकुले

ट्रेन में दो यात्री बात कर रहे थे
पहला – व्हाट्सएप इंसान को हमेशा आगे बढ़ाता है।
दूसरा – वो कैसे?
पहला – अब मुझे ही देखिए, दो स्टेशन पीछे उतरना था, लेकिन मैं तो आगे आ गया।

बेटा (पापा से) – कार की चाबी दो, कॉलेज जाना है फंक्शन है।
पापा – क्यों?
बेटा – 10 लाख की गाड़ी में जाऊंगा तो शान बढ़ेगी।
पापा – ये ले 10 रुपए, 30 लाख की बस में जायेगा, तो ज्यादा शान बढ़ेगी।

टिंकू– अगर आपकी प्रेमिका खूबसूरत, समझदार, ध्यान रखने वाली, कभी न जलने वाली और अच्छा खाना बनाने वाली हो तो उसे आप क्या नाम देंगे?
पिंकू– दुनिया की सबसे बड़ी अफवाह!

15 06 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं — आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ–23, सैक्टर–6, नोएडा–201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी–2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया–पाया, संबंध–विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के–2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

ऑस्ट्रेलिया की तुर्किये पर जीत, स्कॉटलैंड की यादगार वापसी, दिन के दो मुकाबले रहे ड्रॉ

वैंकूवर। फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे दिन चार मुकाबले पूरे हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तुर्किये को एकतरफा अंदाज में हरा दिया है। इसके बाद जर्मनी का सामना कुराकाओ से रात 10:30 बजे होना है। तीसरे दिन दो मैच बराबरी पर छूटे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के अलावा स्कॉटलैंड ने भी जीत दर्ज की है।

फीफा विश्व कप के तीसरे दिन कुल पांच मुकाबले खेले जाने थे जिसमें से तीन मैच पूरे हो गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया और तुर्किये का मुकाबला जारी है। दिन के अंतिम मैच में जर्मनी का सामिा कुराकाओ से होगा। फीफा विश्व कप का खुमार अब धीरे-धीरे सिर चढ़कर बोल रहा है और तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले खेले गए। एक तरफ कतर ने स्विट्जरलैंड को ड्रॉ पर रोका तो वहीं पांच बार की चैंपियन ब्राजील को विनिसियस जूनियर ने हार से बचाया। स्कॉटलैंड ने फुटबॉल के इस महाकुंभ में जीत से शुरूआत की।

इंजरी टाइम में कतर ने की वापसी: फीफा विश्व कप के तीसरे दिन सबसे पहले कतर का सामना स्विट्जरलैंड से हुआ। बौलेम खौखी के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के चौथे मिनट में किए गए गोल की मदद से कतर ने ग्रुप बी में मजबूत दावेदार माने जा रहे स्विट्जरलैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। ब्रील एम्बोलो ने 17वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर स्विट्जरलैंड को बढ़त दिलाई। एक समय उसकी जीत सुनिश्चित लग रही थी लेकिन अंतिम सीटी बजाने से कुछ देर पहले लेवी स्टेडियम में 67,966 दर्शकों के सामने खेले गए मैच में खौखी ने हेडर से बराबरी का गोल दागकर कतर को विश्व कप में अपना पहला अंक दिलाया। कतर चार साल पहले अपने देश में विश्व खेले गए विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था और यहां पहले मैच में वह बहुत प्रभावित नहीं कर पाया। स्विट्जरलैंड की टीम ने गोल करने के कुछ अच्छे मौके गंवाए जिसके कारण उसे एक अंक से संतोष करना पड़ा। कतर के कई खिलाड़ी मैच के आखिर में किए गए गोल का जश्न मनाते हुए जमीन पर गिर पड़े, जबकि अन्य खिलाड़ी एक-दूसरे को गले लगाने के लिए दौड़ पड़े।

मोरक्को ने ब्राजील को चौंकाया: पांच बार की चैंपियन ब्राजील की टीम फुटबॉल विश्व कप के अपने पहले मैच में असली रंग में नहीं दिखी और मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी के मैच में शुरू में पिछड़ गई। लेकिन विनिसियस जूनियर के गोल की बदौलत 1-1 से ड्रॉ हासिल करने में सफल रही।

ब्राजील 2002 से खिताब नहीं जीत पाया है और उस पर इसका दबाव स्पष्ट नजर आ रहा था। दूसरी तरफ मोरक्को की टीम ने आक्रामक शुरूआत की। मोरक्को की टीम ने पहले 30 मिनट में ब्राजील के गोल पर 12 शॉट लगाए। उसने इस बीच इस्माइल सैबारी के 21वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त हासिल कर ली।

नीरज चोपड़ा को अभी हासिल करना होगा क्वालिफिकेशन मार्क

AFI ने चयन को लेकर दी सफाई

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा के बाद स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा के चयन को लेकर उठ रहे सवालों पर एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। फेडरेशन ने कहा है कि नीरज चोपड़ा का नाम भले ही 32 सदस्यीय संभावित दल में शामिल किया गया हो, लेकिन उनका अंतिम चयन अभी तय नहीं है। उन्हें निर्धारित क्वालिफिकेशन मानक हासिल करना होगा। एएफआई के प्रवक्ता और वर्ल्ड एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने रविवार को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चयनित सभी एथलीटों ने क्वालिफिकेशन मानक पूरा कर लिया है, केवल नीरज चोपड़ा को अभी यह लक्ष्य हासिल करना बाकी है।

'नीरज को करना होगा क्वालिफाई'

सुमारिवाला ने कहा, 'नीरज को क्वालिफाई करना होगा। बाकी सभी चयनित एथलीट क्वालिफिकेशन मानक हासिल कर चुके हैं। उन्होंने ट्रिपल जम्पर सेल्वा प्रभु के चयन को लेकर भी स्थिति साफ की। सुमारिवाला के मुताबिक सेल्वा पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं, लेकिन उनकी मौजूदा फिटनेस और फॉर्म को देखते हुए उन्हें इंटर-स्टेट चैंपियनशिप में क्वालिफिकेशन स्तर के करीब प्रदर्शन करना होगा।

इंटर-स्टेट मीट में उतरेंगे सेल्वा प्रभु: एएफआई अधिकारी ने बताया कि सेल्वा प्रभु ने खुद इंटर-स्टेट प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, 'सेल्वा ने स्वयं कहा है कि वह इंटर-स्टेट प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अपनी स्थिति साबित करना चाहते हैं।

जल्द प्रतियोगिता में वापसी कर सकते हैं नीरज: नीरज चोपड़ा फिलहाल चोट से उबरने के बाद ट्रेनिंग कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने अभी तक अपने प्रतिस्पर्धी सीजन की शुरूआत नहीं की है। एएफआई के अनुसार, वह अगले कुछ दिनों में अपने प्रतियोगिता कार्यक्रम को अंतिम रूप देंगे। सुमारिवाला ने कहा, 'नीरज अगले कुछ दिनों में हमें अपनी प्रतियोगिता योजना बताएंगे। वह अब फिट हैं और ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्हें सिर्फ प्रतियोगी फिटनेस हासिल करनी है।'

अगले 10 दिनों में कर सकते हैं वापसी: नीरज की फिटनेस पर अपडेट देते हुए एएफआई ने बताया कि वह जल्द ही मैदान पर लौट सकते हैं। सुमारिवाला ने कहा, 'नीरज पूरी तरह ट्रेनिंग फिट हैं और संभवतः अगले 10 दिनों में किसी प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि उनका प्रदर्शन कैसा रहता है।'

ज्योति याराजी की रिकवरी भी तेज: इस दौरान भारतीय धाविका ज्योति याराजी की फिटनेस पर भी सकारात्मक खबर सामने आई। एएफआई के अनुसार, चोट के कारण कुछ समय से बाहर चल रहीं ज्योति तेजी से रिकवर कर रही हैं। सुमारिवाला ने कहा, 'ज्योति की रिकवरी अच्छी गति से हो रही है।

कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले बढ़ी नीरज पर नजरें: कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 से पहले अब सभी की निगाहें नीरज चोपड़ा की वापसी पर टिकी होंगी। भारतीय एथलेटिक्स के सबसे बड़े सितारे को अंतिम टीम में जगह पक्की करने के लिए जल्द ही क्वालिफिकेशन मानक हासिल करना होगा।

भारत ने जीता पहला वनडे, शुभमन गिल इस मामले में बने नंबर-2, रोहित ने भी हासिल की बड़ी उपलब्धि

धर्मशाला। भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। शनिवार को धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में बारिश के कारण देरी हुई, जिसके बाद अंपायरों ने मैच को 25-25 ओवर का कराने का फैसला किया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने रहमानुल्लाह गुरबाज की शतकीय पारी की मदद से 24.5 ओवर में 10 विकेट पर 194 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 22.5 ओवर में तीन विकेट पर 195 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया के लिए शुभमन गिल ने कप्तानी पारी खेली। वह 66 गेंदों में 84 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, केएल राहुल भी 19 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 39 रनों की नाबाद पारी खेलने में कामयाब हुए।

बतौर ओपनर रोहित ने पूरे किए 16 हजार अंतरराष्ट्रीय रन

195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत शानदार हुई। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीच पहले विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी हुई। रोहित इस दौरान 16 रन बनाकर रनआउट हो गए। हालांकि, उन्होंने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। बतौर ओपनर उन्होंने 16 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए।

गिल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

रोहित के पवेलियन लौटने के बाद तीसरे नंबर पर आए ईशान किशन ने शुभमन गिल भरपूर साथ दिया। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 43 गेंदों में 70 रनों की साझेदारी हुई। किशन 22 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान कप्तान शुभमन गिल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह वनडे में पारियों के लिहाज से सबसे तेज 3000 रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने यह कारनामा 62 पारियों में किया। इस मामले में शीर्ष पर हाशिम अमला हैं, जिन्होंने 57 पारियों में 3000 वनडे रन पूरे किए।

वनडे में सबसे तेज 3000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज

बल्लेबाज	पारियां
हाशिम अमला	57
शुभमन गिल	62
शाई होप	67
फखर जमां	67
इमाम-उल-हक	67

केएल और गिल की तूफानी बल्लेबाजी: किशन के बाद श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी के लिए, लेकिन कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ सके। उन्हें जियाउर रहमान ने मोहम्मद सलीम के हाथों कैच कराया। वह 15 गेंदों में सिर्फ 12 रन बना सके।

उन्होंने चौथे विकेट के लिए गिल के साथ 32 गेंदों में 53 रनों की नाबाद साझेदारी की और टीम को जीत दिलाई। केएल 19 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 39 रन बनाने में कामयाब हुए जबकि गिल 66 गेंदों में 11 चौके और दो छक्के की मदद से 84 रन बनाकर नाबाद रहे।

'राणा ने अनुशासन और सफलता का मंत्र सिखाया' मनु भाकर के पिता ने कोच जसपाल को किया याद

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी टीम के कोच जसपाल राणा का हाल ही में निधन हो गया था। राणा का दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर की सफलता में बड़ा योगदान रहा है। अब मनु के पिता ने राणा को याद करते हुए बताया कि किस तरह उन्होंने मनु को अनुशासन और सफलता का मंत्र सिखाया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर के पिता राम किशन ने जसपाल राणा को याद करते हुए कहा कि इस दिवंगत कोच ने उनकी बेटी के जीवन में अनुशासन, कड़ी मेहनत और सफलता हासिल करने की सोच विकसित की जिसने उसे चैंपियन खिलाड़ी बनने में मदद की। दिग्गज निशानेबाज राणा का 49 वर्ष की उम्र में हृदय संबंधी जटिलताओं के कारण संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया था।

मनु की सफलता में राणा की रही अहम भूमिका

भारत के महानतम पिस्टल निशानेबाजों में शामिल राणा ने कोच के रूप में भी उल्लेखनीय सफलता हासिल की और पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर के ऐतिहासिक दो कांस्य पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई। किशन ने कहा, मनु के निशानेबाजी करियर में जसपाल राणा का सबसे बड़ा योगदान अनुशासन, एकाग्रता, कड़ी मेहनत और परिणाम हासिल करने की मानसिकता विकसित करना था। वह बेहतरीन कोच थे। उनकी ट्रेनिंग का मनु को बहुत लाभ मिला। उनका इस तरह दुनिया से चले जाना बहुत बड़ी त्रासदी है। हम बेहद दुखी हैं। किसी ने नहीं सोचा था कि वह इतनी जल्दी चले जाएंगे। वह मनु से हमेशा कहते थे कि मेहनत करो और खुद पर भरोसा रखो। आत्मविश्वास को बनाए रखो। तुम्हारे अंदर लड़ने का जज्बा है, तुम कर सकती हो और जरूर करोगी। वह सख्त स्वभाव के थे, लेकिन दिल के बहुत अच्छे इंसान थे। बाहर से कठोर और अंदर से बेहद नरम। वह महान निशानेबाज होने के साथ-साथ परिणाम देने वाले कोच भी थे।

किशन ने कहा, मैं मानता हूं कि वह काफी सख्त थे। वह अक्सर डांटते रहते थे और छोटी-छोटी बातों पर नाराज भी हो जाते थे।

गावस्कर ने भारतीय टीम के रवैये को सराहा

बताया किस तरह बल्लेबाजों ने मुश्किल लक्ष्य को बनाया आसान

नई दिल्ली। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भारत की टीम फर्स्ट रवैये को जमकर सराहा है। गावस्कर का कहना है कि अफगानिस्तान के खिलाफ पहले वनडे मैच में भारत ने जिस तरह लक्ष्य का पीछा किया वो सराहनीय है।

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने धर्मशाला में बारिश से प्रभावित पहले वनडे में अफगानिस्तान के खिलाफ मुश्किल लक्ष्य को आसानी से हासिल करने के बाद भारत के टीम को प्राथमिकता देने के रवैए की प्रशंसा करते हुए कहा कि बल्लेबाजों ने मुकाबले को बेहद आसान बना दिया। बारिश से प्रभावित इस मैच को 25 ओवर का कर दिया गया था जिसे भारत ने सात विकेट से जीत कर तीन मैचों की सीरीज 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

केएल राहुल की तारीफ की

गावस्कर ने कहा कि लक्ष्य का पीछा करते समय केएल राहुल ने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे पता चलता है कि खिलाड़ी व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सामूहिक सफलता पर विश्वास करते हैं। गावस्कर ने कहा, जिया उर रहमान ने अपने अंतिम ओवर से पहले तीन ओवरों में सिर्फ 19 रन दिए थे।

राहुल ने उस ओवर में 20 रन बनाए। तब शुभमन गिल को शतक पूरा करने के लिए 21 रन की जरूरत थी और टीम को जीत के लिए लगभग 30 रन चाहिए थे। ऐसे में राहुल ने मोर्चा संभाला। इससे पता चलता है कि खिलाड़ी व्यक्तिगत उपलब्धियों की बजाय टीम को अधिक महत्व देते हैं। यह इससे जुड़ा है कि प्रत्येक खिलाड़ी टीम के लिए क्या कर सकता है। 23वें ओवर में मैच जीतने से पता चलता है कि कितनी अच्छी तरह से लक्ष्य का पीछा किया गया। यह आसान लक्ष्य नहीं था लेकिन उन्होंने इसे आसान बना दिया क्योंकि उन्होंने टीम को प्राथमिकता दी।

भारत ने बनाई बढ़त

भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। शनिवार को धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में बारिश ने खलल डाली थी, जिसकी वजह से मैच शुरू होने में देरी हुई।

अंपायर्स ने ओवरों में कटौती के बाद मैच 25-25 ओवर कराने का फैसला लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने रहमानुल्लाह गुरबाज की शतकीय पारी की मदद से 24.5 ओवर में 10 विकेट पर 194 रन बनाए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नीतीश रेड्डी की मां का आया फोन

धर्मशाला। भारतीय टीम के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी मां से बात करते दिख करे हैं। यह वाक्या भारत और अफगानिस्तान के बीच पहले वनडे मैच के बाद का है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला गया। बारिश से बाधित इस मुकाबले में भारतीय टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करने भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी आए। इसी दौरान उनकी मां का फोन आ गया जिसे उन्होंने रिसीव भी किया। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

भारत की दमदार जीत

भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। शनिवार को धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में बारिश ने खलल डाली थी, जिसकी वजह से मैच शुरू होने में देरी हुई। अंपायर्स ने ओवरों में कटौती के बाद मैच 25-25 ओवर कराने का फैसला लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान ने रहमानुल्लाह गुरबाज की शतकीय पारी की मदद से 24.5 ओवर में 10 विकेट पर 194 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 22.5 ओवर में तीन विकेट पर 195 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। टीम इंडिया के लिए शुभमन गिल ने कप्तानी पारी खेली। वह 66 गेंदों में 84 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, केएल राहुल भी 19 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के की मदद से 39 रनों की नाबाद पारी खेलने में कामयाब हुए।

नीतीश ने पत्रकारों से मांगी माफी: नीतीश का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वह अपनी मां का फोन कॉल उठाते दिख रहे हैं। दरअसल, जब नीतीश पत्रकारों के सवाल का जवाब दे रहे थे उसी समय उनके मोबाइल पर उनकी मां का फोन आया। नीतीश ने फोन उठाकर कहा कि वह उन्हें पांच मिनट बाद कॉल करेंगे। इसके बाद नीतीश ने पत्रकारों से माफी भी मांगी। ये मजेदार वाक्या कैमरे पर कैद हुआ।

नीतीश ने कहा, मुझे समझ आ गया है कि मैं फ्रंट-ऑन गेंदबाज हूं और मैं अपनी लेंथ पर काम कर रहा हूं। इसके लिए मैं रन-अप में और तेजी लाना चाहता था।

इसलिए मेरे गेंदबाजी एक्शन में थोड़ा बदलाव आया है। अब यह ठीक हो रहा है। मुझे अभी और सुधार करने की जरूरत है और उम्मीद है कि आने वाले दिनों में मैं उन्हें करने में सफल रहूंगा।

नीतीश बोले- गेंदबाजी में सुधार की जरूरत

नीतीश कुमार रेड्डी को हाल ही में अपनी गेंदबाजी और रन-अप पर किए गए काम के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं, लेकिन इस ऑलराउंडर का मानना है कि अभी उन्हें इस विभाग में काफी सुधार करने की जरूरत है। नीतीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले वनडे मैच में अच्छी गेंदबाजी की। उन्होंने कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि मुझे इस तरह की स्थिति की उम्मीद थी। मुझे वनडे में इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन कम से कम टी20 जैसे आईपीएल और अन्य मैचों में तो इसकी उम्मीद थी ही, क्योंकि एक इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैं चार ओवर पूरे नहीं फेंक पाता था। कुछ मैचों में मैं दो ओवर ही कर पाता था, लेकिन कुछ मैच ऐसे भी होते थे जिनमें मुझे चार ओवर फेंकने पड़ते थे, इसलिए मैं खुद को तैयार कर रहा था।

भारत के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले गुरबाज ने गंभीर को क्यों दिया श्रेय

एक शतक से गुरबाज ने तोड़े कई रिकॉर्ड

- नौवां वनडे शतक बनाया रहमानुल्लाह गुरबाज ने अपने करियर का।
- 48 गेंद में सबसे तेज शतक का मोहम्मद शहजाद (72 गेंद) का अफगानी रिकॉर्ड तोड़ा।
- आठ छक्के लगाए जो वनडे मैच में अफगानिस्तान के लिए दूसरा श्रेष्ठ प्रदर्शन है।
- सातवां शतक विकेटकीपर के तौर पर बनाया, जो 25 साल से कम उम्र में क्विंटन डिकॉक (13 शतक) के बाद दूसरे सबसे ज्यादा हैं।

धर्मशाला। भारत और अफगानिस्तान के बीच वनडे सीरीज खेली जा रही है। पहले मैच में रहमानुल्लाह गुरबाज ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। अब उन्होंने अपनी इस पारी का श्रेय भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को दिया है।

अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने शनिवार को भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में 51 गेंदों में 102 रन की तूफानी पारी खेली। इस शानदार पारी का श्रेय अफगानिस्तान के इस बल्लेबाज ने टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को दिया है। गुरबाज ने बताया कि न्यू चंडीगढ़ में हुए टेस्ट मैच के बाद गौतम गंभीर के साथ हुई बातचीत से उन्हें अपने शॉट चयन को बेहतर बनाने में मदद मिली। गुरबाज ने इस पारी में आठ छक्के और इतने ही चौके लगाए। शानदार शॉट्स खेलते हुए गुरबाज ने सिर्फ 48 गेंदों में अपना नौवां वनडे शतक पूरा किया, जो किसी अफगानी बल्लेबाज का सबसे तेज वनडे शतक था। जब टेस्ट मैच खत्म हुआ, तो मैंने उनसे कहा कि मैं अपने शॉट चयन को बेहतर बनाना चाहता हूं। उन्होंने कुछ अच्छे सुझाव दिए और मैं उन्हें लागू कर पाया। मैंने बस सकारात्मक खेलने की कोशिश की और यह मेरे लिए कारगर रहा।

डेब्यू पर चमके बरार और हर्ष

गुरबाज की शानदार पारी के बावजूद, भारत के डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों गुरनूर बरार और हर्ष दुबे ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह ने दो विकेट लिए जिससे भारतीय टीम यह मुकाबला जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त लेने में सफल रही।

रणनीति के बारे में किया खुलासा

अपनी रणनीति के बारे में बात करते हुए गुरबाज ने कहा, मैं इस प्रदर्शन के लिए आभारी हूं। मुझे लगता है कि रणनीति बहुत सरल और आसान थी, बस सकारात्मक क्रिकेट खेलना। हमें पता था कि यह 25 ओवर का गेम है, लेकिन मैं अपने खेल को भी जानता हूं। मैंने बस खुद पर भरोसा किया और टीम के लिए खेला। योगदान देकर अच्छा लगा। अपने देश के लिए कुछ करना और सभी को गौरवान्वित करना हमेशा अच्छा लगता है। मैं कड़ी मेहनत करता हूं और यह पारी उसी कड़ी मेहनत का नतीजा है। मैं बहुत आभारी हूं। भारत में भारत के खिलाफ शतक लगाना खास बात है, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, यह मेरी मेहनत का फल है।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम घोषित

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू करेंगी अगुआई

नई दिल्ली। इस साल सितंबर-अक्तूबर में एशियाई खेलों का आयोजन होना है जिसके लिए भारतीय बैडमिंटन संघ ने टीम का एलान कर दिया है। इस टूनार्मेंट में पीवी सिंधू और सात्विक-चिराग की जोड़ी भारतीय दल की अगुआई करेंगे। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग मई 2026 के आधार पर भारतीय टीम घोषित कर दी है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू और पुरुष युगल के मौजूदा एशियाड चैंपियन सात्विकसाईराज रेंकिरेड्डी और चिराग शेट्टी भारतीय दल की अगुआई करेंगे। टीम में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी भी शामिल हैं।

सिंधू का ऑस्ट्रेलियाई ओपन में सफर समाप्त: भारतीय शटलर पीवी सिंधू ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में शनिवार को शीर्ष वरीय जापान की अकाने यामागुची से 20-22, 12-21 हार गईं थीं।

टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम

पुरुष वर्ग : लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत, तरुण मन्नेपल्ली, सात्विक साईराज रैंकिरेड्डी, चिराग शेट्टी, हरिहरन अमसाकरुणन, एमआर अर्जुन, ध्रुव कपिला।

महिला वर्ग : पीवी सिंधू, उन्नति हुड्डा, देविका सिहाग, तन्वी शर्मा, ईशारानी बरुआ, त्रिषा जॉली, गायत्री गोपीचंद पुलेला, कविप्रिया सेल्वम, सिमरन सिंघी, तनिषा क्रैस्टो।

व्यक्तिगत चैंपियनशिप के लिए भारतीय शटलर

पुरुष एकल : लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी

महिला एकल : पीवी सिंधू, उन्नति हुड्डा

पुरुष युगल : सात्विक-चिराग, हरिहरन-अर्जुन

महिला युगल : त्रिषा-गायत्री, कविप्रिया-सिमरन

मिश्रित युगल : ध्रुव-तनिषा

15 June -26 page 6 6/14/2026 10:36 PM Page 1

जनसंपर्क अभियान के तहत सांसद अतुल गर्ग ने प्रबुद्धजनों से किया संवाद, विकास कार्यों पर हुई चर्चा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में राष्ट्रसेवा को समर्पित 'सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण' के 12 सफल वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत रविवार को गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रबुद्धजनों से आत्मीय भेंट एवं संवाद किया। इस अवसर पर सदर विधायक संजीव शर्मा ने भी जनसंवाद में भाग लिया।

इस क्रम में सांसद अतुल गर्ग ने गुलमोहर एनक्लेव निवासी डॉ. सुनील दत्त, सराय नजर अली निवासी उदयवीर चौहान (सेवानिवृत्त जीएसटी अधिकारी), विजयनगर निवासी अशोक दुग्गल (सेवानिवृत्त रेलवे अधिकारी), शालीमार गार्डन निवासी अभिषेक श्रीवास्तव (आरडब्ल्यूए अध्यक्ष) सहित अन्य गणमान्य नागरिकों से मुलाकात की।

बैठक के दौरान सांसद ने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, पिछले 12 वर्षों में देश में हुए ऐतिहासिक विकास कार्यों तथा 'विकसित भारत @2047' के संकल्प पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित कर रहा है तथा विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

इस दौरान राष्ट्र निर्माण में जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाने, विभिन्न वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष वरुण नागर, मन्नू वशिष्ठ, पवन शर्मा, ललित कश्यप, सुरेंद्र नागर सहित अनेक कार्यकर्ता एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में बड़ा ऑटो फजीवाड़ाः शोरूम स्टाफ पर थार-स्कॉर्पियो बिक्री में 72 लाख रुपये के गबन का आरोप

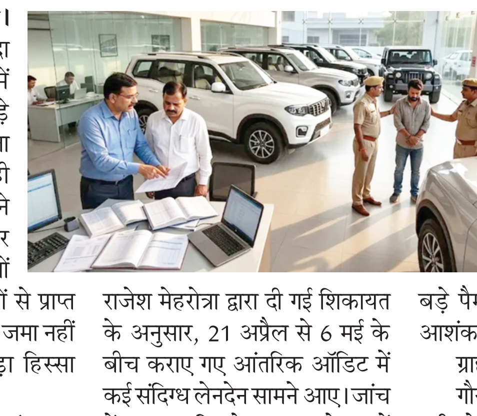

गाजियाबाद करंट क्राइम। लोहियानगर स्थित महिंद्रा शोरूम शिवा ऑटो-कार में वाहनों की बिक्री से जुड़े बड़े वित्तीय फजीवाड़े का मामला सामने आया है। कंपनी के ही स्टाफ पर आरोप है कि उन्होंने चार स्कॉर्पियो और एक थार रॉक्स समेत पांच नए वाहनों की बिक्री के दौरान ग्राहकों से प्राप्त पूरी राशि कंपनी के खाते में जमा नहीं कराई और रकम का बड़ा हिस्सा कथित रूप से हड़प लिया।

कंपनी द्वारा कराए गए इंटरनल ऑडिट में एक करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन में गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद सिहानी गेट थाने में पूर्व प्रबंधक अश्वनी जादौन सहित अन्य कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। कंपनी का दावा है कि इस पूरे मामले में उसे 72 लाख रुपये से अधिक का वित्तीय नुकसान हुआ है।

कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि राजेश मेहरोत्रा द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, 21 अप्रैल से 6 मई के बीच कराए गए आंतरिक ऑडिट में कई संदिग्ध लेनदेन सामने आए। जांच में पता चला कि शोरूम स्टाफ ने वाहनों की बिक्री तो दर्ज की, लेकिन ग्राहकों से प्राप्त पूरी राशि कंपनी के बैंक खातों में ट्रांसफर नहीं की गई।

ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, इन वाहनों की कुल कीमत करीब 1.17 करोड़ रुपये थी। कुछ मामलों में आंशिक भुगतान का रिकॉर्ड तो मौजूद था, लेकिन शेष राशि का कोई स्पष्ट हिसाब नहीं मिला। जांच में दस्तावेजों में हेरफेर, रिकॉर्ड बदलने और बिक्री से जुड़े कागजात नष्ट करने जैसे गंभीर आरोप भी सामने आए हैं।

कंपनी का कहना है कि कुछ रकम ही बैंक खातों में जमा कराई गई, जबकि बड़ी राशि का कोई लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं है, जिससे बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी की आशंका मजबूत हुई है।

ग्राहक विवाद भी आया सामने

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इसी शोरूम में एक ग्राहक ने भुगतान और वाहन डिलीवरी को लेकर हंगामा किया था। ग्राहक का आरोप था कि उसने शोरूम स्टाफ के कहने पर कंपनी खाते में भुगतान करने के साथ-साथ नकद राशि भी दी थी, लेकिन बाद में वाहन और भुगतान को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और पूरे लेनदेन की गहन जांच की जा रही है।

प्रताप विहार व्यापार मंडल की सराहनीय पहल

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में उमड़ी भीड़, बने आयुष्मान और आधार कार्ड

➪ समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी : संजीव शर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्रताप विहार सेक्टर-12 व्यापार मंडल ने राष्ट्रीय व्यापार मंडल के द्वारा सुंदरलाल हॉस्पिटल के सौजन्य से आधार कार्ड कैंप, आयुष्मान भारत पंजीकरण शिविर एवं निशुल्क चिकित्सा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शहर के लोकप्रिय विधायक संजीव शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर सेक्टर 12 व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन शर्मा, अजय चोपड़ा, सचिन यादव, महामंत्री उपाध्यक्ष अनिल वर्मा, भाजपा नेता संदीप शर्मा, अंकित गुप्ता, मनोज कुमार आदि ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

कोतवाली का घेराव करने जा रहे ग्रामीणों और पुलिस में नोकझोंक

पुलिस ने कस्बे के बाहर ही रोका, ग्रामीणों को जल्द समाधान का दिया आश्वासन

दनकौर करंट क्राइम। गांव रोशनपुर में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग के साथ रविवार को दनकौर कोतवाली का घेराव करने जा रहे समता सैनिक दल के कार्यकताओं और ग्रामीणों को पुलिस ने कस्बे के बाहर ही रोक दिया। इस दौरान कार्यकताओं और पुलिस के बीच काफी देर तक कहासुनी और नोकझोंक होती रही। पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को जल्द समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शनकारी वापस लौट गए। समता सैनिक दल के अध्यक्ष नागेंद्र आजाद ने बताया कि रोशनपुर गांव निवासी वीरेंद्र पर 6 जून को तीन नामजद आरोपियों ने कथित रूप से जानलेवा हमला किया था। हमले में वीरेंद्र को गंभीर चोटें आईं और उसके शरीर में करीब 12 स्थानों पर फ्रैक्चर होने का दावा किया गया है। आरोप है कि गंभीर घटना के बावजूद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केवल मारपीट की सामान्य धाराओं में केस दर्ज किया है। साथ ही आरोपी लगातार पीड़ित पक्ष को जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। इसी के विरोध में समता सैनिक दल ने कोतवाली घेराव का आह्वान किया था। रविवार को कार्यकर्ता और पीड़ित परिवार के लोग दनकौर की ओर बढ़ रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें कोतवाली पहुंचने से पहले ही कस्बे के बाहरी क्षेत्र में रोक लिया। कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि पीड़ित पक्ष की मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई और आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराएं नहीं लगाई गईं तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। एसीपी अरविंद कुमार का कहना है कि प्रकरण की जांच की जा रही है।

कृषि भूमि दिलाने के नाम पर सात लाख ठगने का आरोप, दो पर केस

मोदीनगर करंट क्राइम। भोजपुर के गांव मुकीमपुर निवासी व्यक्ति और उसके दो साथियों से कृषि भूमि दिलाने के नाम पर सात लाख रुपये ठगने का आरोप है। डीसीपी ग्रामीण के आदेश पर भोजपुर पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गांव मुकीमपुर के रहने वाले देशराज सिंह की शिकायत के अनुसार कुछ समय पूर्व उन्होंने और उनके दो अन्य साथियों ने पड़ोसी गांव औरंगाबाद दतैड़ी में कृषि भूमि का 42 लाख रुपये में सौंदा तय किया था। सौदा तय होने के बाद 5 लाख 22 हजार रुपये बयाना दे दिया गया। बैनामे का समय आने पर आरोपियों ने उनसे 1.5 लाख रुपये और ले लिए। रकम लेने के बाद आरोपियों ने जमीन महंगी होने की बात कहते हुए बैनामा करने से इन्कार कर दिया। उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी जान से मारने की धमकी देने लगे। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि तहरीर के अनुसार मुकेश कुमार व मोहन पुत्रगण मंगला निवासी गांव औरंगाबाद दतैड़ी भोजपुर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

गाजियाबाद के एडेड कॉलेजों में शिक्षकों की कमी गहराई, सेवानिवृत्ति और अतिरिक्त ड्यूटी से बढ़ा दबाव

गाजियाबाद करंट क्राइम। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लागू होने के बाद उच्च शिक्षा व्यवस्था में बदलाव तो तेजी से हुए हैं, लेकिन गाजियाबाद के एडेड कॉलेजों में शिक्षकों की कमी लगातार गंभीर समस्या बनती जा रही है। हर वर्ष सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों की जगह लंबे समय से नए नियुक्तियां नहीं होने के कारण शिक्षण कार्य पर दबाव बढ़ गया है, जिसका असर विद्यार्थियों की पढ़ाई और शोध गतिविधियों पर भी पड़ रहा है।

सेमेस्टर प्रणाली से बढ़ा कार्यभार

एनईपी लागू होने के बाद स्नातक स्तर पर वार्षिक परीक्षा प्रणाली की जगह सेमेस्टर प्रणाली लागू कर दी गई है, जिसके तहत अब वर्ष में दो बार मुख्य परीक्षाएं आयोजित होती हैं। इसके साथ ही शिक्षकों को इंटरनल परीक्षाएं, वायवा, प्रोजेक्ट कार्य, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का भी दायित्व निभाना पड़ रहा है। इससे शिक्षकों का कार्यभार पहले की तुलना में काफी बढ़ गया है। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए मौजूदा शिक्षकों को अतिरिक्त पीरियड लेने पड़ रहे हैं। हालांकि यूजीसी

मानकों के अनुसार शिक्षकों का साप्ताहिक कार्यभार तय है, लेकिन पद खाली होने के कारण उन्हें उससे अधिक कक्षाएं लेनी पड़ रही हैं।

रिक्त पदों से प्रभावित हो रही गुणवत्ता

कॉलेजों में छात्रों को अब माइनर, वोकेशनल और को-करिकुलर कोर्स का विकल्प भी दिया जा रहा है, जिससे शिक्षकों की शैक्षणिक जिम्मेदारियां और बढ़ गई हैं। शिक्षकों को पढ़ाई के साथ-साथ परीक्षा कार्य, मूल्यांकन और शोध निर्देशन जैसे कार्य भी करने पड़ रहे हैं। प्राचार्यों का कहना है कि कई कॉलेजों में शोध निदेशक उपलब्ध कराना भी मुश्किल हो गया है, जिससे शोध कार्य प्रभावित हो रहा है और शिक्षा की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ रहा है। इस वर्ष दो प्रमुख कॉलेजों–एसडी कॉलेज और एलआर कॉलेज के प्राचार्य सेवानिवृत्त होंगे। एलआर कॉलेज साहिबाबाद के प्राचार्य प्रो. डॉ. यूपी सिंह जून में सेवानिवृत्त होंगे, जबकि शंभू दयाल पीजी कॉलेज की कार्यकारी प्राचार्य प्रो. डॉ. कमलेश भारद्वाज भी इसी अवधि में सेवानिवृत्त हो जाएंगी।

इसके अलावा एमएमएच कॉलेज में इस वर्ष जून में नौ शिक्षक सेवानिवृत्त हो रहे हैं। पहले से ही यहां 29 पद रिक्त हैं और सेवानिवृत्तियों के बाद यह संख्या बढ़कर 38 तक पहुंच जाएगी।

शिक्षकों की समस्या केवल रिक्त पदों तक सीमित नहीं है। हाल ही में सभी कॉलेजों के शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना कार्य में भी लगा दी गई, जिससे स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई है। एक ओर परीक्षाएं और वायवा, दूसरी ओर प्रशासनिक ड्यूटी के कारण शिक्षक अत्यधिक दबाव में काम कर रहे हैं।

शिक्षकों के अनुसार 22 मई से समर ब्रेक के बावजूद उन्हें जनगणना ड्यूटी में लगाया गया है। वहीं 29 जून तक परीक्षाएं चलेंगी और 4 जुलाई को समर ब्रेक समाप्त हो जाएगा, जिससे लगातार कार्यभार बना हुआ है।

मुकुट ट्रस्ट के 'ज्योतिष और समाधान' समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। मुकुट मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 'ज्योतिष और समाधान' कार्यक्रम व मेधावी छात्र सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इसमें विभिन्न स्कूलों के कक्षा 10 व 12 के करीब 450 छात्रों को सम्मानित किया गया। ट्रस्ट चेयरमैन प्रशांत गुप्ता ने कहा कि आज व्यक्ति तनावग्रस्त है, सहनशीलता व निर्णय क्षमता घट रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य ज्योतिष, वास्तु, टैरो व हीलिंग से समाधान देना रहा। आईएमटी यूनिवर्सिटी की डॉ. आशा त्यागी के निर्देशन में छात्रों ने प्रश्नों के उत्तर दिए। डॉ. त्यागी ने कहा कि माता-पिता की सेवा, रिश्तों में प्रेम व फास्ट फूड से दूरी से ग्रह सुधरते हैं। विभा रस्तोगी ने पूरी नींद व संतुलित भोजन की सलाह दी। डॉ. एकता सिंह ने संवाद की कमी को तनाव की वजह बताया। आचार्य शरद ने अस्थिर नौकरी वालों को मंदिर सेवा व मंत्र जाप बताया। हीलर मीरा कुमार, नीलू शर्मा, पूनम उज्ज्वल व मीनू सिंघल ने ऊर्जा, ज्योतिष व सत्यता पर विचार रखे। कार्यक्रम में 14 जून को प्रसिद्ध ज्योतिषी वाय राखी, महामंडलेश्वर संत कमल किशोर व स्वामी बळकानंद जी मुख्य आकर्षण रहेंगे। इस अवसर पर संरक्षक नरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, पंकज चोपड़ा, भावना मित्तल, प्रियंका अग्रवाल आदि लोग उपस्थित रहे।

जल्द होंगे पुलिस कमिश्नरेट में कई उद्घाटन

लिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि आने वाले कुछ ही दिनों में एक के बाद एक कई उद्घाटन होने वाले हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुनने में आया है कि सिटी जोन में एक एसीपी साहब के कार्यालय का रिबन काटा जाना हैं। बताया जा रहा है कि उनका पूरा कार्यालय बनकर तैयार हो चुका है। लंबी इमेज के साथ उनके स्टाफ और उनका अलग से स्थान तय कर दिया गया है। तो आने वाले अतिथियों और आगन्तुकों के लिए भी अलग से स्पेस रिजर्व करवा दिया गया है। इन सबके बीच जानकारी यह मिली है कि सिटी जोन के लाइन पार वाले थाने का काम भी बहुत तेज गति से चल रहा है और जल्द ही वहां का भी रिबन काटा जा सकता है और बड़े खाने का आयोजन होगा। इन सबके बीच जानकारी यह मिल रही है कि सिटी वाले सबसे पुराने थाने को भी सजाने और संवारने का काम चल रहा है। रंगे और पुताई का काम लगभग तेज गति से चल रहा है, तो अब यहां अन्य टेंशन चल रही है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में बताया जा रहा है की कांवड़ यात्रा

शुरू होने से पहले पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में एक के बाद एक कई उद्घाटन होने वाले हैं। तो बताया जा रहा है कि इसी के साथ दो बड़े खानों का भी आयोजन किया जा सकता है। बता दें की पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जब से नए वाले साहब आए हैं, एक के बाद एक थानों की तस्वीरें बदल रही हैं। तो बड़े खानों का भी आयोजन चल रहा है। वैसे अब बताया जा रहा है कि कांवड़ यात्रा से पहले तीन उद्घाटन होंगे और फिर सारी ऊर्जा कांवड़ यात्रा को लेकर लगा दी जाएगी। इन सबके बीच जिस तरीके से नंबर दो की पोजीशन वाले साहब लोगों ने बीते दिनों ऑपरेशन क्लीन में पसीना बहाया है। तो नदिया पार वाले प्रदेश के सबसे चर्चित कांड को देखा है उसकी भी चर्चाएं हैं। कहा जा रहा है कि जल्द ही उसका भी इफेक्ट पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में देखने को मिल सकता है। उधर तीन साल पूरा कर लेने वाले थ्री- स्टार अब टकटकी लगाकर लिस्ट की ओर देख रहे हैं। सबसे ज्यादा टेंशन इस बात की है कि उनका और उनके किन साथियों का नाम इस लिस्ट में शामिल होता है और किसको अगली लिस्ट का वेट रह जाता है।

गैस कनेक्शन कटने का डर दिखाकर पौने सात लाख ठगे

गाजियाबाद करंट क्राइम। साइबर अपराधियों ने गैस कनेक्शन कटने का डर दिखाकर वसुंधरा निवासी बुजुर्ग के खाते से पौने सात लाख रुपये साफ कर दिए। पीड़ित के मुताबिक जालसाजों आईजीएल के नाम से एक फर्जी एपीके फाइल भेजकर उनका मोबाइल हैक कर लिया और बाद में खाते से दो किश्तों में रकम निकाल ली। शिकायत साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वसुंधरा सेक्टर-10सी निवासी हरिश्चंद्र सक्सेना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चार मई 2026 को उनके मोबाइल पर एक व्हॉट्सऐप संदेश आया। संदेश भेजने वाले ने खुद को आईजीएल गैस का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनका गैस बिल अपडेट नहीं हुआ है और यदि जल्द भुगतान नहीं किया गया तो गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि उन्हें ऑनलाइन भुगतान करना नहीं आता है। इस पर आरोपी ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि वह एक लिंक भेज रहा है, जिस पर बैंक संबंधी जानकारी भरने से भुगतान हो जाएगा। इसके बाद आरोपी ने आईजीएल के नाम से एक एपीके फाइल भेजी। बुजुर्ग का कहना है कि तकनीकी जानकारी न होने के कारण उन्हें समझ नहीं आया कि यह फर्जी एप्लिकेशन है। कुछ ही देर बाद उनका मोबाइल फोन असामान्य तरीके से काम करने लगा और कॉल फॉरवर्डिंग भी स्वतः सक्रिय हो गई। आरोप है कि मोबाइल हैक होने के बाद साइबर अपराधियों ने उनके खाते को निशाना बनाया। पांच मई को खाते से पहली बार 6.53 लाख रुपये की ट्रांजेक्शन की गई तथा इसके कुछ समय बाद 31 हजार 801 रुपये की दूसरी ट्रांजेक्शन भी कर दी गई। इस उनके खातों से कुल 6.85 लाख रुपये निकल गए।

विश्व रक्तदाता दिवस : रेड क्रॉस द्वारा एमएमजी अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में सरकारी एमएमजी अस्पताल, गाजियाबाद में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रेड क्रॉस सोसाइटी गाजियाबाद के निवर्तमान सभापति सुभाष गुप्ता, अस्पताल के सीएमएस डॉ. राकेश कुमार, डॉ. चरण सिंह, डॉ. पवन कुमारी, डॉ. अंशुल, एम.सी. गौर, अखण्ड भारत मिशन के संस्थापक अश्वनी शर्मा, राकेश गुप्ता, विपिन अग्रवाल, आर. डी. शर्मा, गीता शर्मा, रेड क्रॉस ब्रांड एंबेसडर डॉ.ऋचा सूद, एडवोकेट ओम दत्त कौशिक, डी.सी. बंसल एवं राजेश गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजसेवियों एवं नियमित रक्तदाताओं का विशेष रूप से रेड क्रॉस सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में सतीश गांधी, बालकिशन गुप्ता, सुभाष गुप्ता, सुशील गुप्ता, डॉ. राजकुमार चौहान, एम.बी. कौशिक, राहुल चौधरी, नागेंद्र नाथ, आशुतोष यादव, पैरा क्रिकेट खिलाड़ी राजा बाबू तथा सुधीर गोयल (मोनू) प्रमुख रूप से शामिल रहे।

विशेष आकर्षण के रूप में वरिष्ठ रक्तदाता एम.बी. कौशिक ने अपना 91वाँ रक्तदान कर उपस्थित लोगों को मानव सेवा के लिए प्रेरित किया। उनके इस समर्पण और सामाजिक योगदान की सभी अतिथियों ने सराहना की। सभी सफल सम्मानित 26 रक्तदाताओं को अंगवस्त्र, पुष्पमाला एवं रेड क्रॉस सोसाइटी का स्मृति-चिह्न भेंट कर उनके मानव सेवा के कार्यों की सराहना की गई। साथ ही सभी रक्तदाताओं को रेड क्रॉस द्वारा प्रशस्ति-पत्र एवं प्रतीक-चिह्न प्रदान किए गए।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा कार्यकर्ता अजय चौधरी इन दिनों गाजियाबाद के सियासी तापमान को छोड़कर श्रीनगर लद्दाख में कूल मौसम का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने काश्मीर में श्रीनगर लद्दाख से अपनी यात्रा के पलों को फेसबुक पर साझा किया। अजय चौधरी की काश्मीर यात्रा के इन पलों को, इन तस्वीरों को उनके सभी मित्रों, शुभचिंतकों और समर्थकों ने पसंद किया। गर्मी से दूर काश्मीर की वादियों में भाजपा कार्यकर्ता अजय चौधरी की यात्रा वाली ये पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

'फिर डील ही नहीं होगी', ईरान से समझौते पर ट्रंप ने नेतन्याहू को दिया बड़ा भरोसा, नाराज होगा तेहरान!

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को भरोसा दिलाया है कि ईरान के साथ समझौते में उनकी चिंताओं का ध्यान रखा जाएगा। ट्रंप ने नेतन्याहू से ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम, मिसाइल क्षमताओं और लेबनान में हिजबुल्लाह को समर्थन जैसे मुद्दे सुलझाने का वादा किया है। इजरायल इन सभी मामलों को अपनी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कहता रहा है। ये जानकारी ऐसे समय आई है, जब ईरान और अमेरिका शांति समझौता करने के बेहद करीब हैं।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल हायोम ने डिप्लोमैटिक सूत्र के हवाले से बताया कि ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा है कि ईरान के साथ समझौते में सभी मुद्दों पर बात की जाएगी। ट्रंप ने कथित तौर पर नेतन्याहू से कहा कि उन मुद्दों का समाधान जरूर होगा, जो 28 फरवरी को ईरान पर हमले की वजह थे। ऐसा

नहीं होता है तो फिर समझौता नहीं किया जाएगा। हालांकि मिसाइल प्रोग्राम पर अमेरिकी शर्त ईरान को नाराज कर सकती है।

बातचीत नाकाम रहने पर क्या होगा

एक सूत्र के अनुसार, अगर शुरूआती समझ के बाद तेहरान के साथ बातचीत नाकाम रहती है और ईरान अपनी सैन्य गतिविधियां जारी रखता है तो फिर ट्रंप प्रशासन इजरायल को ज्यादा अहमियत देगा। ऐसे में वॉशिंगटन में राजनयिकों के एजेंडे में तेहरान में सत्ता परिवर्तन का मुद्दा शामिल किया जाएगा, जो नेतन्याहू की इच्छा रही है।

इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, शुक्रवार को बेंजामिन नेतनयाहू और डोनाल्ड ट्रंप में बातचीत हुई है। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि समझौते में ईरान को अपने संवर्धित परमाणु सामग्री के भंडार को देश से बाहर भेजना होगा। साथ ही ईरान को अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर सीमा लागू करनी होगी।

नेतन्याहू की लगी नजर

अमेरिका-ईरान समझौते में इजरायल एक हद तक दरकिनार है लेकिन नेतन्याहू की पूरे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रखे हुए है। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका-ईरान समझौते से इजरायल सीधेतौर पर किसी भी शर्त से बंधा हुआ नहीं है लेकिन वह यह सुनिश्चित करने में लगा है कि वाशिंगटन उससे जुड़े मुद्दों का ध्यान रखे।

नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा है कि इजरायल इस समझौता ज्ञापन का हिस्सा नहीं है। इसके बावजूद नेतन्याहू ने ट्रंप की उस प्रतिबद्धता की सराहना की जिसके तहत अंतिम समझौते में संवर्धित यूरेनियम हटाना, मिसाइल उत्पादन की हद तय करना और क्षेत्र में अपने प्रॉक्सी को ईरान से मिल रहे समर्थन को रोकना शामिल होगा।

ओमान तट के पास एक और हादसा, 14 भारतीयों को ले जा रही नाव डूबी, अमेरिकी जहाज ने किया रेस्क्यू

मस्कट। ओमान के पास रविवार को एक बड़े समुद्री बचाव अभियान में 14 भारतीयों को बचाया गया है। 14 भारतीय क्रू वाली एक नाव टश विराट-1 ओमान में रास अल हद से करीब 80 नॉटिकल मील दूर डूब गई। हादसे के बाद अमेरिकी नौसेना के ढ-8 समुद्री गश्ती विमान मदद के लिए आगे आया। विमान ने नाव के पास लाइफ राफ्ट गिराया और हवा से निगरानी बनाए रखी। क्रू सदस्य डूबती नाव से लाइफ राफ्ट के जरिए सफलता के साथ बाहर निकल गए। नाव के डूबने की वजह इंजान में खराबी बताई गई है।

नाव डूबने के बाद सभी 14 नाविक सुरक्षित रूप से राफ्ट पर चढ़ गए। अमेरिकी नौसेना से मिली जानकारी के अनुसार, समुद्र में इमरजेंसी की स्थिति पैदा होने के बाद नाव पर सवार सभी 14 भारतीय क्रू सदस्यों ने सफलतापूर्वक जहाज छोड़ा और लाइफ राफ्ट पर सवार हो गए।

मदद के लिए अलर्ट मिलने के बाद भारतीय नौसेना के जहाजों को मदद के लिए भेजा गया है।

इंडियन नेवी मदद के लिए जा रही

एएनआई के मुताबिक, भारतीय नौसेना के जहाजों को डूबते हुए हादसे की जगह भेजा दिया गया है। टश जबल अली 9 (सेंट किट्स एंड नेविस के झंडे वाला जहाज, जो छढउ सोहर ठढउ मुंबई के साथ है) डूबते हुए जहाज की ओर बढ़ रहा है। टश जबल अली से मिली जानकारी के अनुसार सभी 14 भारतीय लाइफ राफ्ट पर सवार हो गए हैं।

ईरान और ओमान के समुद्र में लगातार तनाव बना हुआ है। अमेरिकी नेवी की नाकेबंदी के चलते यहां कई जहाज फंसे हुए हैं। हालिया दिनों में कई हादसे भी ओमान तट के आसपास हुए हैं। रविवार को नाव डूबने से पहले भी भारतीयों को इस क्षेत्र में मुश्किल करा सामना करना पड़ा है। रविवार को जनहानि ना होने से भारत को राहत मिली है।

ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि मिशन को ओमान के तट के पास भारतीय झंडे वाले मशीनीकृत सेलिंग वेसल 'विराट 1' से जुड़ी एक घटना के बारे में पता चला है। बताया जा रहा है कि इस पर 14 भारतीय क्रू सदस्य सवार थे। जानकारी मिली है कि जहाज का इंजन खराब हो गया था और क्रू सदस्य सुरक्षित रूप से लाइफ-राफ्ट पर चले गए। ओमानी अधिकारियों के समन्वय और दूसरे जहाजों के जरिए बचाव अभियान चल रहा है।

ओमान से एक और बुरी खबर रविवानर को आई है। यहां डुक्म पोर्ट पर खड़े जहाज पर बीमारी के चलते सेकंड ऑफिसर निशांत उर्थनाथन की मौत हुई है। वह टळ सेलेस्टियल जहाज पर सवार थे और उनका शव जहाज पर ही है। होर्मुज और ओमान तट के पास अमेरिकी नेवी के ब्लॉकेड ने गंभीर मानवीय संकट खड़ा किया है। क्षेत्र में फंसे जहाजों पर सवार लोग मुश्किल परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

भारत दौरे के बाद भागे-भागे बीजिंग क्यों पहुंचे नेपाल के विदेश मंत्री, नाराज चीन को मनाने की कोशिश?

काठमांडू। भारत दौरे के ठीक बाद नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल चीन के दौरे पर पहुंचे हैं। इसे बालेन शाह की सरकार के नेपाल-चीन संबंधों को नए सिरे से तय करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। खनाल चीनी विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर गए हैं। खनाल सोमवार को बीजिंग में डिनर के दौरान चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत करेंगे। इस दौरान दोनों पक्ष आपसी संबंधों की फिर से समीक्षा करेंगे। खनाल का चीन दौरा उनकी हालिया नई दिल्ली यात्रा के बाद हो रहा है। नई दिल्ली में खनाल ने नेपाल और भारत के संबंधों में संभावित बदलाव का संकेत दिया था। उन्होंने कहा था कि बालेन शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सरकार पर पारंपरिक पार्टियों का कोई बोझ नहीं

है। खनाल की बीजिंग यात्रा के एक मकसद उन गलतफहमियों को दूर करना भी है, जो चीनी नेतृत्व के कुछ वर्गों में नेपाल की मौजूदा विदेश नीति को लेकर है। चीनी अधिकारियों ने चिंता जताई है कि पिछले साल के त्रल्ल-त्रृ आंदोलन के बाद आई सुशीला कार्की सरकार और मौजूदा सरकार दोनों ही पश्चिमी नीतियों की तरफ झुक रही है। चीन को चिंता है कि नेपाल भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का अखाड़ा बन सकता है।

अमेरिकी अधिकारियों की काठमांडू की लगातार यात्राओं को लेकर बीजिंग सतर्क है। इसके अलावा नेपाल में तिब्बती शरणार्थियों को पहचान पत्र जारी करने के लिए नेपाल सरकार को मनाने की वॉशिंगटन की कोशिशों ने भी चिंता बढाई है। चीन की अन्य चिंताओं में नेपाल में स्टारलिंक सेवाओं को मंजूरी देना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेडा इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ाना और नेपाल के सेक्टर में चीन के प्रभाव में कमी आना शामिल है। खनाल चीनी नेताओं को भरोसा दिलाएंगे कि नेपाल चीन के बारे में अपने सिद्धांतों पर आधारित रुख से पीछे नहीं हटेगा। वे इफ्फ्रेमवर्क के तहत सहयोग की प्रतिबद्धता जताएंगे। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि काठमांडू उन प्रोजेक्ट्स की सूची में बदलाव की मांग कर सकता है जिन पर 2025 में तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा केपी शर्मा ओली की बीजिंग यात्रा के दौरान सहमति बनी थी।

फ्रांस पहुंचे पीएम मोदी, ट्रंप-मैक्रों से मुलाकात और जी-7 सम्मेलन समेत कई अहम बैठकें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को फ्रांस के नीस शहर पहुंच गए। इसके साथ ही उनके बहुप्रतीक्षित फ्रांस दौरे की औपचारिक शुरूआत हो गई है। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नीस, एवियन और पेरिस में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और बैठकों में हिस्सा लेंगे। दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय सहयोग को और मजबूत करना है।

फ्रांस पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी यात्रा की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इस दौरे में कई अहम कार्यक्रम शामिल हैं, जो भारत के प्रमुख विकास साझेदार देशों के साथ मित्रता और सहयोग को नई दिशा देंगे।

ट्रंप-मैक्रों से होगी अहम मुलाकात

प्रधानमंत्री मोदी 14 जून को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। दोनों नेता विभिन्न रणनीतिक, आर्थिक और

तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा कर सकते हैं। भारत और फ्रांस के बीच रक्षा, अंतरिक्ष, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में पहले से मजबूत साझेदारी मौजूद है। इसके अलावा, पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्रांस में मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं की करीब डेढ़ साल बाद यह मुलाकात होगी। व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की है।

दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों संयुक्त रूप से ह्यभारत इनोवेट्सह्ल कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के प्रमुख स्टार्टअप, नवाचार विशेषज्ञ और वेंचर कैपिटल फंड भाग लेंगे। यह मंच उभरते उद्यमियों और नवाचार क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों को अपनी नई तकनीकों, उत्पादों और समाधानों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर देगा।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और फ्रांस वर्ष 2026 को संयुक्त रूप से ह्यइयर ऑफ इनोवेशनह्ल यानी ह्यनवाचार वर्षह्ल के रूप में मनाएंगे। इसी पहल के तहत दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग, स्टार्टअप साझेदारी और अनुसंधान आधारित परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह यात्रा भारत-फ्रांस संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि नवाचार और स्टार्टअप क्षेत्र इस दौरे का प्रमुख केंद्र बिंदु रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम 13 से 14 जून तक नीस में रहेगा, जबकि इसके बाद वह एवियन और पेरिस का दौरा करेंगे। इन शहरों में भी कई उच्चस्तरीय बैठकों और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जिनमें दोनों देशों के सहयोग को और व्यापक बनाने पर चर्चा होगी।

पीएम मोदी बोले- दुनिया का भरोसा और बढ़ी भारत की अहमियत

फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर रवाना होने से पहले जारी बयान में मोदी ने कहा, जी-7 में भारत की उपस्थिति उसके बढ़ते वैश्विक प्रोफाइल को दशार्ती है। लगातार आठवीं बार जी-7 शिखर सम्मेलन में भारत को आमंत्रित किया जाना देश की बढ़ती वैश्विक भूमिका और उस पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के भरोसे का प्रतीक हैं। मोदी ने कहा कि फ्रांस भारत की रणनीतिक सोच में विशेष स्थान रखता है। उन्होंने याद दिलाया कि इसी वर्ष फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया था। उन्होंने कहा कि नीस में राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बैठक के दौरान दोनों नेता फरवरी के बाद हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और सहयोग के नए क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे।

'भारत-बांग्लादेश का जमीन-आसमान साझा नहीं'

जमात चीफ के बाद नाहिद इस्लाम के कड़वे बोल, भारतीय उच्चायुक्त के बयान पर बिफरे

ढाका। बांग्लादेश की नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के नेता नाहिद इस्लाम ने कहा है कि भारत और बांग्लादेश का आसमान-जमीन एक नहीं है। नाहिद ने बांग्लादेश में भारत के नवनियुक्त उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी के हालिया बयान पर एतराज जताते हुए ये कहा है। त्रिवेदी ने कहा था कि दोनों देश समान आकाश और हवा साझा करते हैं। इस पर बांग्लादेश के विपक्षी दल उखड़े हुए नजर आ रहे हैं। एनसीपी से पहले जमात-ए-इस्लामी की ओर भी इस बयान का विरोध किया जा चुका है। दोनों नेताओं ने भारत विरोधी रुख दिखाने की कोशिश की है। बांग्लादेश के ग्यारह-दलीय गठबंधन ने शनिवार को चट्टोग्राम में रैली की है। इस रैली में तारिक रहमान की सरकार से जनमत संग्रह के फैसले को लागू करने, जनता की तकलीफों से राहत दिलाने और जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण की मांग की गई। इस दौरान भारत से रिश्ते पर भी बयानबाजी देखी गई।

नाहिद इस्लाम ने कहा, 'भारत और बांग्लादेश का आसमान या जमीन एक नहीं है। यह सवाल 1947 में ही सुलझ गया था। 1971 में बांग्लादेश ने खुद को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के तौर पर स्थापित किया

भारत पर आक्रामक दिखे नाहिद

रैली में बोलते हुए एनसीपी संयोजक और विपक्ष के मुख्य सचेतक नाहिद इस्लाम ने कहा कि बांग्लादेश सभी देशों के साथ सम्मान और आपसी आदर के आधार पर संबंध चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत का रवैया दोस्ताना नहीं है। सीमा पर हत्याओं, कंटीले तारों की बाड़ और ऊपरी इलाकों से पानी रोके जाने जैसी गतिविधियां संबंधों में अड़चन है।

ढाका में हाल ही में नियुक्त भारतीय उच्चायुक्त की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए नाहिद इस्लाम ने कहा, 'भारत और बांग्लादेश का आसमान या जमीन एक नहीं है। यह सवाल 1947 में ही सुलझ गया था। 1971 में बांग्लादेश ने खुद को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के तौर पर स्थापित किया और 2024 में लोगों ने फिर साबित किया कि कोई वर्चस्ववादी ताकत इस देश पर कब्जा नहीं कर पाएगी।'

जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश के अमीर डॉक्टर शफीकुर रहमान भी दिनेश त्रिवेदी के बयान पर आपत्ति जता चुके हैं। उन्होंने बांग्लादेश की तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बीएनपी सरकार से मांग की है कि वह भारतीय उच्चायुक्त के उनकी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण मांगे, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर भारत और बांग्लादेश के एक होने की बात कही है। बांग्लादेश में भारत के नए उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने शुक्रवार को ढाका में भारतीय मिशन का चार्ज लिया है।

ढाका में उन्होंने कहा कि भारत और बांग्लादेश के लोग एक ही आसमान और हवा साझा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस करीबी को देखते हुए भविष्य में ऐसे कदम उठाए जाएंगे, जो दोनों देशों के लिए फायदेमंद हों।

उत्तर कोरिया पर अमेरिका की सख्ती बढ़ी

उपकरणों के निर्यात के लिए लेनी होगी खास अनुमति

उत्तर कोरिया। अमेरिका ने उत्तर कोरिया को निर्यात किए जाने वाले कुछ चिकित्सा उपकरणों पर नियंत्रण और कड़ा कर दिया है। अमेरिकी वित्त विभाग ने ऐसे मेडिकल उपकरणों की सूची जारी की है, जिनके उत्तर कोरिया निर्यात के लिए अब विशेष सरकारी अनुमति लेना जरूरी होगा।

अमेरिकी वित्त विभाग के ऑफिस ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल ने गुरुवार को यह सूची जारी की। इसके तहत अब कुछ चिकित्सा उपकरण सामान्य लाइसेंस के दायरे से बाहर कर दिए गए हैं। पहले सामान्य लाइसेंस के तहत कुछ कृषि उत्पादों, दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के निर्यात की अनुमति थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका का यह कदम उन उपकरणों के निर्यात को सीमित करने के लिए उठाया गया है, जिनका उपयोग नागरिक और सैन्य दोनों उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब उत्तर कोरिया अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को लगातार आगे बढ़ा रहा है। वॉशिंगटन और सियोल के साथ परमाणु मुद्दे पर बातचीत लंबे समय से ठप पड़ी हुई है।

इस बीच, दक्षिण कोरिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता करेंगे या नहीं।

दोनों नेताओं के जी7 सम्मलेन में शामिल होने की उम्मीद है, जो सोमवार से बुधवार तक फ्रांस के एवियन में आयोजित होगा। दक्षिण कोरिया को लगातार दूसरे वर्ष आमंत्रित साझेदार देश के रूप में सम्मेलन में बुलाया गया है। दक्षिण कोरियाई अधिकारी ने कहा कि अवसर मिलने पर बातचीत संभव है, लेकिन फिलहाल संभावित शिखर बैठक पर कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।

ईरान की जब्त 25 अरब डॉलर की संपत्तियां जारी करेगा अमेरिका?

वाशिंगटन। ईरान और अमेरिका के बीच एक संभावित समझौते को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। खबर के मुताबिक, ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों देशों के बीच एक ड्राफ्ट समझौता तैयार किया गया है, जिसमें तेल प्रतिबंध, परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक राहत जैसे कई अहम मुद्दे शामिल हैं। इस ड्राफ्ट पर सहमति बनने के बाद 60 दिनों के भीतर एक अंतिम समझौते पर बातचीत की जाएगी।

इस प्रस्तावित समझौते के तहत सबसे बड़ा कदम यह है कि ईरान तुरंत होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी व्यावसायिक जहाजों के लिए खोल देगा। बदले में अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर अपनी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा। यह प्रक्रिया समझौता साइन होते ही शुरू हो जाएगी और 30 दिनों के भीतर पूरी कर दी जाएगी। यह रास्ता वैश्विक तेल सप्लाई के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, इसलिए इसका खुलना अंतरराष्ट्रीय बाजार के

लिए बड़ी राहत हो सकती है।

वित्तीय मोर्चे पर अमेरिका अंतिम समझौता होने तक ईरान पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाएगा। अंतिम समझौते के बाद अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के सभी प्रतिबंध तय समयसीमा के अनुसार हटाए जाएंगे। अमेरिका ईरान को एक निश्चित अवधि के लिए तेल बेचने और उससे होने वाली आय प्राप्त करने की अनुमति देने के लिए तेल प्रतिबंधों में भी छूट देगा। मसौदे में यह भी प्रस्ताव है कि अमेरिका ईरान की 25 अरब डॉलर की जब्त संपत्तियां जारी करेगा। यह राशि प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण, क्षेत्रीय देशों के सहयोग और वित्तीय क्रेडिट लाइनों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा सकती है। इसके अलावा, अमेरिका अपने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर ईरान के पुनर्निर्माण और विकास की योजना तैयार करेगा, जिस पर 60 दिनों के भीतर तेहरान के साथ बातचीत होगी। परमाणु मुद्दे पर ईरान इस बात पर सहमत होगा कि वह न तो परमाणु हथियार बनाएगा और न ही हासिल करेगा। अंतिम समझौते तक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति बनाए रखेगा और यूरेनियम संवर्धन या परमाणु सुविधाओं के विस्तार को आगे नहीं बढ़ाएगा। मसौदे के अनुसार, भविष्य के व्यापक समझौते के तहत अमेरिका ईरान को अपनी उच्च संवर्धित यूरेनियम की मौजूदा भंडार सामग्री को ईरानी जमीन पर ही कम संवर्धित स्तर में बदलने की अनुमति देगा। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों और उच्च संवर्धित यूरेनियम के भंडार के प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर समझौता ज्ञापन के बाद अगले 60 दिनों के भीतर बातचीत होगी और इन्हें अंतिम समझौते में शामिल किया जाएगा।

पीओके में प्रदर्शन को लेकर दुनिया में हो रही पाकिस्तान की फजीहत, बिलावल भुट्टो ने की शांति अपील

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के हुक्मरान भी मानने लगे हैं कि पीओके में बिगड़ते हालात से उनकी फजीहत हो रही है। चौतरफा घिरी पाकिस्तान सरकार के गठबंधन के साथी और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने रविवार को प्रदर्शन कर रहे लोगों से अपील की कि वे अपना आंदोलन समाप्त कर लें। उन्होंने कहा, इससे प्रांत और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि दोनों को नुकसान पहुंच रहा है।

पाकिस्तान की फजीहत

रविवार को जारी बयान में, बिलावल ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता से होने वाला शांति समझौता एक ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा, 'जब पूरी दुनिया की नजर पाकिस्तान पर है, ऐसे समय में इस मुद्दे से पाकिस्तान की छवि को नुकसान पहुंच रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि यह स्थिति विरोधियों को स्थिति का फायदा उठाने का अवसर दे रही है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से अपील की कि वे अपने आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त करें और जिन्होंने कानून अपने हाथ में लिया है, वे स्थानीय प्रशासन के सामने

आत्मसमर्पण करें ताकि कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ सके। बिलावल के अनुसार, सभी राजनीतिक मुद्दों का समाधान लोकतांत्रिक, संवैधानिक और शांतिपूर्ण तरीकों से होना चाहिए। उनका कहना था कि संसद और राजनीतिक प्रक्रिया ही ऐसे मुद्दों को हल करने का सही मंच हैं, सड़कें नहीं।

आयोग बनाने की पेशकश

पीपीपी प्रमुख ने याद दिलाया कि उनकी पार्टी पहले ही चुनाव आयोग से 27 जुलाई को तय समय से पहले घोषित चुनाव कार्यक्रम को वापस लेने की अपील कर चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी एक आयोग बनाने की कोशिश करेगी, ताकि लंबित शिकायतों का समाधान हो सके और दीर्घकालिक समाधान निकाला जा सके।

जेएएसी के प्रदर्शनों ने पाकिस्तान की नाक में दम कर रखा है। पूरे पीओके में जबरदस्त प्रदर्शन जारी है। बिलावल ने माना कि प्रशासन और जेएएसी के बीच मतभेद को सुलझाना जरूरी है। 5 जून को जेएएसी की 9 जून की हड़ताल की घोषणा के बाद पाकिस्तान की सरकार ने इस संगठन को प्रतिबंधित कर दिया था। इसके बाद कार्रवाई करते हुए कई नेताओं और कार्यकताओं को गिरफ्तार भी किया गया।

रावलाकोट के आसपास धरने लगातार चौथे दिन जारी रहे। मुजफ्फराबाद और अन्य क्षेत्रों में कई जगहों पर बाजार बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन भी कई दिनों से प्रभावित है। कुछ क्षेत्रों में आंशिक हड़ताल की खबरें भी आई हैं। रावलाकोट में मोबाइल सेवाएं रात 8:30 बजे के बाद बंद कर दी गईं, जबकि इंटरनेट सेवाएं आठवें दिन भी सस्पेंड हैं। इससे छात्रों और फ्रीलांसरों सहित आम लोगों को भारी परेशानी हो रही है, जिन्होंने सरकार से सेवाएं बहाल करने की अपील की है।

अमेरिका की नाकेबंदी का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, भारत के विरोध के बाद रूबियो ने किया साफ

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कल भारतीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर से बात की। दोनों अधिकारियों ने होर्मुज जलडमरू मध्य में हाल ही में हुई घटनाओं पर चर्चा की। विदेश मंत्री रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि सभी वाणिज्यिक जहाजों को अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरंत पालन करना चाहिए, क्योंकि अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरू मध्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास कर रही है। उन्होंने रेखांकित किया कि अमेरिका द्वारा लगाई गई नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल का अवैध परिवहन किसी भी

कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गौरतलब है कि होर्मुज के समंदर में अमेरिका ने वो कायराना हरकत की जिसने भारत के सब्र का बांध तोड़ दिया। भारत के तीन जांबाज नाविकों की जान चली गई और वजह महाशक्ति होने का अहंकार। ये दिन इतिहास में अमेरिका की उस सशस्त्र डकैती के नाम पर दर्ज होगा जिसने तीन भारतीय परिवारों को उम्र भर का दर्द दे दिया। लेकिन कहानी यहां खत्म नहीं होती है। अमेरिका ने सोचा था कि वह झूठ बोलेगा और भारत मान लेगा।

कार्यालय सेनानायक टास्कफोर्स 47वीं पीएसी गाजियाबाद।

विज्ञप्ति

टॉस्क फोर्स 47वीं वाहिनी पीएसी गाजियाबाद के गेट नं0-3 में बनी दुकान को मिल्क डेयरी किराये हेतु दिनांक 01.07.2026 से दिनांक 30.06.2027 तक की अवधि के लिये टेण्डर दिनांक 25-06-2026 को प्रातः 10: 00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित किये जायेंगे। टेण्डर उसी दिन दोपहर बाद खोले जायेंगे। टेण्डर डालने वाले ठेकेदार अधिक जानकारी सेनानायक टास्कफोर्स 47वीं पीएसी के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में कर सकते हैं।

पत्रांक व-28/2026(विविध)
दिनांक जून 2026

सेनानायक
47वीं वाहिनी पीएसी
गाजियाबाद

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

श्री भक्तार्चन एवं संकीर्तन महोत्सव में पहुंचे श्रद्धालु

गाजियाबाद करंट क्राइम। संसार उपवन परिवार द्वारा आयोजित श्री भक्तार्चन एवं संकीर्तन महोत्सव में श्रद्धालु पहुंचे। अधिकमास के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम हिन्दीभवन में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में संस्कार उपवन के संस्थापक नवनीत प्रियदास का परमसानिध्य भी श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. रामअवतार जिंदल भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में पोलियो सर्वे तेज
30 हजार घरों तक पहुंचीं टीमें
सैकड़ों बच्चे टीकाकरण से वंचित मिले

गाजियाबाद करंट क्राइम। शहर को वर्षों पहले पोलियो मुक्त घोषित किए जाने के बावजूद सीवेज सैंपल में वैक्सीन डिराइव्ड पोलियो वायरस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। विशेष अभियान के तहत अब तक करीब 30 हजार घरों का सर्वे किया जा चुका है और सैकड़ों बच्चों में टीकाकरण की कमी सामने आई है। सीएमओ डॉ. सचिन वैश्य के अनुसार विजयनगर सीवेज पंपिंग स्टेशन के नमूने में वायरस मिलने के बाद माइक्रोप्लान तैयार कर 107 टीमों को 12 क्षेत्रों में तैनात किया गया है। इन टीमों को लगभग 1.51 लाख आबादी और 30,384 घरों के सर्वे का लक्ष्य दिया गया है। अब तक की जांच में 200 से अधिक बच्चे ऐसे पाए गए हैं जो पिछली पोलियो मुहिम में टीकाकरण से वंचित रहे, जबकि कई बच्चों ने एक या अधिक ओपीवी खुराक नहीं ली। इनमें 157 बच्चे ऐसे भी हैं जिन्होंने अब तक एक भी खुराक नहीं ली है। अलग-अलग दिनों के सर्वे में हजारों घरों की जांच के दौरान लगातार नए मामले सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित इलाकों में निगरानी और टीकाकरण अभियान और तेज कर दिया है। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि यह एहतियाती अभियान है और अभिभावकों को बच्चों के टीकाकरण में लापरवाही नहीं करनी चाहिए।

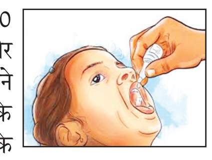

- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हर समय विरोध की ज्वाला भड़काने वाले क्यां हो गये अचानक से शांत? सुना है उन्हें मिली थी इस बात की हिदायत कि वो रखें अपने काम से काम? कहने वाले ने कहा कि कहानी में नहीं है कोई और रीजन अदर? सिस्टम के पीछे खड़े हैं सिर्फ बिग ब्रदर? वो तो अभी और भी आगे बढ़ते, अगर ब्रदर बीच में ना पड़ते? इसलिए छा गयी है पूरे मामले में चुप्पी क्योंकि सीन में आ गये बिग बी पप्पी?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** क्या प्रभारी मंत्री के सामने भी पहुंच गया है विकास में बरस रही विपक्ष वालों पर कृपा का फसाना? सुना है वहां दिया गया है पूरे वार्ड से लेकर वार्ड का रिकॉर्ड? प्रभारी मंत्री भी रह गये हैरान जब उन्हें पता चला कि फूल वालों से ज्यादा तो हाथ वाले और हाथी वालों के मौहल्ले में हो गये काम? कहने वाले ने कहा कि विधानसभा के चुनावों में इन्हीं को साथ लेकर मांग लेना वोट? जिन्हें दिया जा रहा है विकास में पूरा सपोर्ट?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** अफसर के कमरे के बराबर वाले कमरे में जिस नामित ने लगाया था दरबार? सुना है बड़े साहब ने बुलाकर उसे सधे हुए शब्दों में कर दिया है खबरदार? समझाया गया है उन्हें वाणी और व्यवहार का प्रोटोकॉल? कहने वाले ने कहा कि वैसे स्टाफ को भी दे दी गयी है हिदायत? सिर्फ सुननी है और सिस्टम से चलना है? नहीं करनी है इनके बताये किसी काम में ज्यादा हिमायत?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** कौन सा नामित पार्षद बताने लगा है नगर निगम में खुद को पत्रकार? कहने वाले ने कहा कि क्या नामित वाली कृपा को वो नहीं कर पा रहे हैं दिल से स्वीकार? कहने वाले ने कहा कि अगर वो नामित पार्षद नहीं बनते तो किसी को पता ही नहीं चलता कि उनका भी है अपना एक अखबार? कहने वाले ने कहा कि कुछ तो मजबूरी होगी जो वो मीडिया वाला पद छोड़ते ही बताने लगे हैं खुद को पत्रकार?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** हाथी के महावत भी इन दिनों चल रहे हैं कुछ हैरान? पता ही नहीं चलता कि आज पार्टी में हैं और कल निकाल दिये जाते हैं? कहने वाले ने कहा कि लाला जी का विदा होना तो तय था? चुनाव लड़ने के बाद इतने दिन टिक गये, यही बड़ा अचीवमेंट है। लाला जी वैसे भी नहीं संभाल पा रहे थे जिम्मेदारी? सुना है जनवरी वाले बर्थ डे टारगेट से ही तय हो गयी थी उनकी जाने की तैयारी?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** चल रहा था चौधरी साहब की पार्टी का सीन? यहां पर फिर संयोग बना और दिखे एक साथ पुरानी तिकड़ी वाले तीन? नागर से लेकर त्यागी और मिस्टर चौपड़ा नजर आ रहे थे एकसाथ? चौपड़ा की कोशिश थी कि खुश कर दें नागर जी को? क्योंकि वो चल रहे हैं लंबे समय से नाराज? उन्होंने उनको मनाने में लगाया पूरा जोर? नागर जी ने त्यागी जी की नहीं मानी और दिया पूरी तरह से पंजाबी को इग्नोर? कहने वाले ने कहा अगर बात कभी बनी तो गांठ ही बंधेगी? गांठ बंधने के बाद आखिर कहां मजबूत रहती है डोर?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** शर्मा जी आजकल लेकर चल रहे हैं नोएडा में हुए लैंड घोटाले की खबर अपने साथ? इस खबर में वो बिरादरी वाले ही ब्रदर की संलिप्तता की कर रहे हैं बात? पता चला है जब भी कोई आता है उनके सामने? कर देते हैं वो अपना फोन ऑन? दिखा देते हैं उनको स्क्रीनशॉट? बताते हैं मामला चल रहा है बहुत ही हॉट? कहने वाले ने कहा शर्मा जी के इस वक्त हैं कुछ बड़े अरमान? उन्हें पता है किन मुद्दों से हो जाता है सामने वाले का मामला तमाम?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** प्रभारी मंत्री जिस दिन आये गाजियाबाद? उस दिन उन्होंने की व्यापारियों से मुलाकात? मगर मौके पर बने कुछ ऐसे हालात? किसी भी व्यापारी का उनसे इंट्रोडक्शन ही नहीं हो पाया साहब? संजीव गुप्ता और अतुल जैन जैसे प्रमुख व्यवसायी भी नहीं दे पाये अपना इंट्रोडक्शन? जिस पर हो गये थे अरोड़ा जी भी नाराज? सुना है अगली बार शिद्दत से होगी इन सबकी मीटिंग? मगर ये भी सच है जहां इंट्रोडक्शन ना हो पाये? वहां किस बात की सीटिंग?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** मैं था एक कार्यक्रम में मौजूद? वहां पर देखते ही बन रहा था दिनेश जी के चेहरे का कॉन्फीडेंस? ऐसा लग रहा था जैसे दूर हो गये हों दावेदारी में आये पिछले सभी डेंट? कोई उन्हें करा रहा था उन्हीं के सामने किसी दूसरी बिरादरी की उठती हुई आवाज का एहसास? वो मुस्कुराकर कह रहे थे हम भी हैं उस बिरादरी के साथ? कहने वाले ने कहा वो जवाब दे रहे थे एकदम कूल? कुछ इस तरह से भी उड़ाई जाती है अफवाओं की धूल?
- **क्यों कहा कहने वाले ने कि** सुना है त्यागी बिरादरी आज बुलंद करने जा रही है एमएलसी चुनाव को लेकर अपनी दावेदारी की आवाज? हम तो बस इतना चाहते हैं कि जब वो ये आवाज उठायें तो कम से कम कुछ नाम वो प्रेस कांफ्रेंस में भी आज बतायें? पता तो चले कि क्या वो लाना चाहते हैं बसंत की बहार? या फिर उनके दिमाग में कोई और भी नाम है यार? वैसे भी लंबे समय से बिरादरी के एडजस्टमेंट की आवाजें तो उठ रही हैं? मगर पार्टी ने कहां किया है अभी तक विचार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

राजनगर एक्सटेंशन में विधायक निधि से बने ओपन जिम का लोकार्पण, कैबिनेट मंत्री ने किया उद्घाटन

संकल्प

'फिट इंडिया' के संकल्प को साकार कर रहा प्रदेश, बच्चों से बुजुर्गों तक सभी को मिलेगा लाभ : सुनील शर्मा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को नया आयाम देते हुए कैबिनेट मंत्री एवं विधायक सुनील शर्मा ने शुक्रवार को राजनगर एक्सटेंशन में विधायक निधि से निर्मित अत्याधुनिक ओपन जिम का लोकार्पण किया। उन्होंने फीता काटकर इसे क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। कार्यक्रम आशियाना पाम कोर्ट, गौड़ कास्केड्स, केडीपी सोसाइटी एवं ऑफिसर सोसाइटी-1 के निवासियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता व आरडब्ल्यूए पदाधिकारी मौजूद रहे। केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया, हेल्दी इंडिया' संकल्प को साकार करने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी हैं। इसी सोच के साथ घरों के निकट बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने के लिए यह ओपन जिम बनवाया गया है।

उन्होंने कहा कि यह जिम बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों सभी के लिए लाभदायक होगा। लोगों को नियमित व्यायाम की सुविधा मिलेगी और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने नागरिकों से सार्वजनिक सुविधा का संरक्षण करने और अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद संजीव त्यागी, हरीश त्यागी, अंकित चौधरी, योगेश पाल, हरेश दत्ता, राजेश त्यागी, संजीव मलिक, अनुज राठी, विकेंदु तिवारी, मोहित राठी, निखिल शर्मा, अंशु जैनवाल, राहुल बालियान, धर्मेंद्र चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। स्थानीय लोगों व आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने विकास कार्यों के लिए मंत्री सुनील शर्मा का आभार जताया।

सुदामा पुरी पार्क में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा का अनावरण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। वार्ड संख्या 7 स्थित सुदामा पुरी पार्क में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा के अनावरण का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पाल समाज के गणमान्य लोगों, क्षेत्रीय नागरिकों एवं समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर वक्ताओं ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन, उनके आदर्शों एवं समाज कल्याण के लिए किए गए ऐतिहासिक कार्यों का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होलकर का जीवन सेवा, सुशासन, धर्म और जनकल्याण का अद्वितीय उदाहरण है, जो आज भी समाज को प्रेरित करता है। कार्यक्रम में उपस्थित शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति और जनसेवा की सशक्त प्रतीक थीं। उनके द्वारा स्थापित आदर्श आज भी समाज को सही दिशा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के महापुरुषों एवं महान विभूतियों के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है।

विधायक संजीव शर्मा ने पाल समाज के सभी बंधुओं को इस सराहनीय पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का कार्य करते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों एवं पाल समाज के सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया तथा लोकमाता अहिल्याबाई होलकर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वार्ड 54 सेक्टर-1 में 2.30 करोड़ की सड़कों का लोकार्पण, महापौर सुनीता दयाल ने किया उद्घाटन
पार्षद सतेंदर चौधरी की पहल पर मिला क्षेत्रवासियों को तोहफा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा वार्ड 54 सेक्टर-1 की जर्जर सड़कों से परेशान लोगों को रविवार को बड़ी राहत मिली। महापौर सुनीता दयाल ने करीब 2 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सड़कों का लोकार्पण किया। लंबे समय से क्षेत्रवासी टूटी सड़कों के कारण जलभराव और आवागमन में दिक्कत झेल रहे थे। इस मौके पर वार्ड 54 के पार्षद सतेंदर चौधरी ने बताया कि सेक्टर-1 की सड़कों को लेकर लगातार शिकायतें आ रही थीं। उन्होंने इस मुद्दे को उचित स्तर पर उठाया, जिसके बाद नगर निगम ने निर्माण कार्य को मंजूरी दी। महापौर के करकमलों से क्षेत्रवासियों को यह सौगात मिली है।

कार्यक्रम में आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी और क्षेत्र के सम्मानित नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि शहर के हर वार्ड में विकास कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं। जनता की मूलभूत सुविधाओं में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। पार्षद सतेंदर चौधरी ने महापौर सुनीता दयाल व नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों का आभार जताया। साथ ही क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि विकास का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि नवनिर्मित सड़कों का संरक्षण करें और स्वच्छता बनाए रखें। स्थानीय निवासियों ने सड़क निर्माण पर खुशी जताई और कहा कि अब बरसात में जलभराव व कीचड़ की समस्या से निजात मिलेगी।

विश्व रक्तदान दिवस पर यशोदा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, नेहरू नगर में रक्तदान शिविर का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर यशोदा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, नेहरू नगर द्वारा एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सकों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। शिविर में 50 से अधिक लोगों ने रक्तदान कर मानव सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान देने के इस पुनीत कार्य की सभी ने सराहना की। अस्पताल के जनरल मैनेजर श्री आशीष अग्रवाल ने भी रक्तदान अभियान में सहभागिता निभाई तथा लोगों को नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक महादान है, जो किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर विशेषज्ञों ने बताया कि नियमित रक्तदान से न केवल जरूरतमंद मरीजों की सहायता होती है, बल्कि रक्तदाता को भी अनेक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होते हैं। रक्तदान से शरीर में नए रक्त कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है, रक्त संचार बेहतर होता है तथा स्वास्थ्य संबंधी कई महत्वपूर्ण जांचें भी निःशुल्क हो जाती हैं। इसके साथ ही रक्तदान समाज सेवा का एक श्रेष्ठ माध्यम है, जिससे किसी व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। अस्पताल प्रबंधन ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों के आयोजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की। 'रक्तदान महादान है – आपका एक छोटा सा प्रयास किसी के जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद बन सकता है।'

क्या केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भगवान है?

उद्यमियों की आवाज बनकर प्रभारी मंत्री के सामने गरजे उपेंद्र गोयल
उद्योगों पर कार्रवाई का मुद्दा जोरदार ढंग से उठाया

गाजियाबाद करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश उद्यमी विकास संघ के अध्यक्ष उपेंद्र गोयल ने एक बार फिर जिले के उद्योगों की समस्याओं को सरकार और प्रशासन के सामने मजबूती से उठाया है। शुक्रवार को विकास भवन में प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान उपेंद्र गोयल ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर ऐसी क्या स्थिति है कि उद्योगों पर लगातार कार्रवाई हो रही है और कोई भी विभाग उद्यमियों को राहत दिलाने में सक्षम दिखाई नहीं दे रहा। इसी दौरान उन्होंने सवाल किया, क्या केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भगवान है?

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित बैठक में जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उपेंद्र गोयल ने गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों के दौरान जिले की 100 से अधिक एसएसएमई इकाइयों के बिजली कनेक्शन कटवाए गए हैं। इसके अलावा सीपीसीबी की विभिन्न टीमें लगातार औद्योगिक क्षेत्रों में निरीक्षण और कार्रवाई कर रही हैं, जिससे उद्यमियों में असंतोष और भय का माहौल पैदा हो गया है।

उपेंद्र गोयल ने कहा कि उद्योग प्रदेश की अर्थव्यवस्था और रोजगार का महत्वपूर्ण आधार हैं। यदि किसी इकाई में कोई कमी है तो उसे सुधारने का अवसर दिया जाना चाहिए, लेकिन सीधे बिजली कटवाने जैसी कार्रवाई उद्योगों के लिए गंभीर संकट पैदा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई मामलों में नियम-कानूनों को दरकिनार कर कार्रवाई की जा रही है, जिसका खामियाजा उद्यमियों और वहां कार्यरत कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है।

उन्होंने प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह से मांग की कि जिला प्रशासन और संबंधित विभाग केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों से वार्ता कर इस समस्या का समाधान निकालें, ताकि उद्योगों का कथित अनावश्यक उत्पीड़न रोका जा सके। बैठक में मौजूद अन्य उद्यमियों ने भी उपेंद्र गोयल की बात का समर्थन किया और उद्योगों से जुड़े मुद्दों पर चिंता व्यक्त की।

उपेंद्र गोयल की बात को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने जिला प्रशासन को तत्काल प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। वहीं इस मामले को लेकर उपेंद्र गोयल की सक्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने एक दिन पहले ही प्रदेश के एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी से मुलाकात कर उद्योगों की समस्या से अवगत कराया था। बताया गया कि भूपेंद्र चौधरी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी से फोन पर बातचीत कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

जिले के उद्यमियों का कहना है कि जब भी उद्योगों के सामने कोई बड़ी समस्या आती है, उपेंद्र गोयल उसे प्रशासन और सरकार के समक्ष प्रमुखता से उठाते हैं। विकास भवन में हुई यह बैठक भी इसी का उदाहरण रही, जहां उन्होंने सैकड़ों उद्योगों से जुड़े मुद्दे को सीधे प्रभारी मंत्री के सामने रखकर उद्यमियों की चिंता को आवाज दी।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।